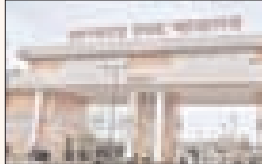


संक्षिप्त खबरें

रिम्स की अधिग्रहीत जमीन पर अतिक्रमण मामले में बिल्डर की जमानत याचिका खारिज

रांची। रिम्स की अधिग्रहीत जमीन का अतिक्रमण मामले के आरोपी बिल्डर शुभम साबू की जमानत याचिका एसीबी की विशेष कोर्ट ने खारिज कर दी है। 28 जून को एसीबी ने शुभम साबू को गिरफ्तार किया था, ये लकी कंस्ट्रक्शन से जुड़े है। लकी कंस्ट्रक्शन ने मोरहाबादी और कोकर मौजा के इस विवादित जमीन पर आलीशान अपार्टमेंट बनाया था। अवैध निर्माण में करीब 14 करोड़ रुपये की निवेश की गई थी। झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के बाद एसीबी ने 5 जनवरी 2026 को प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया है। इसी मामले में 7 अप्रैल को एसीबी ने चार आरोपित राजकिशोर बड़ाइक, कार्तिक बड़ाइक, राजेश झा और चेतन कुमार को गिरफतार किया था। आरोपितों ने मिलीभगत कर रिम्स की अधिग्रहीत जमीन को निजी संपत्ति दिखाने के लिए फर्जी वंशावली तैयार की थी। यह मामला 1964-65 में रिम्स की अधिग्रहीत करीब 9.65 एकड़ जमीन से जुड़ा है।

लंबे समय से जेल में बंद कैदियों की रिहाई पर उच्च न्यायालय में हुई सुनवाई



रांची। राज्य के जेल में बंद कैदियों एवं आरोपितों की आधी या एक तिहाई सजा काट लिए जाने वाले कैदियों की रिहाई से जुड़ी जनहित याचिका पर गुरुवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। मामले में प्रार्थी की ओर से सुझाए गए पांच बिंदुओं पर बहस हुई। अब मामले में अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से लंबे समय से बंद कैदी और अंडर ट्रायल कैदियों के बारे में बताया गया कि कुछ कैदी एक बार भी बेल फाइल नहीं कर पाए हैं, कुछ कैदी एक बार बेल फाइल करने के बाद दुबारा बेल फाइल नहीं कर पाए हैं। साथ ही बताया गया कि आरोप पत्र फाइल नहीं होने के बावजूद भी कई आरोपित डिफॉल्ट बेल दाखिल नहीं कर पाते हैं। यूएपीए, सीएलए, सीसीए जैसे आरोप वाले आरोपित सही तरीके से बेल नहीं फाइल कर पाते हैं, जिससे वह लंबे समय तक जेल में बंद हैं। ट्रायल शुरू होने में देरी के कारण भी कई आरोपी लंबे समय तक जेल में बंद हैं। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता मो शहाबुद्दीन ने पक्ष रखते हुए बताया कि ऐसे मामले में कानून में व्यवस्था है। इसके हिसाब से सरकार सीमा में रहते हुए, इन बिंदुओं पर कार्य करती है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। पूर्व की सुनवाई में राज्य के जेल में बंद आधी सजा या एक तिहाई सजा काट लिए जाने वाले करीब 1000 कैदियों की संख्या से संबंधित रिपोर्ट राज्य सरकार की ओर से पेश की गई थी। उल्लेखनीय है कि मामले को लेकर स्टैन स्वामी एवं अन्य की ओर से उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दाखिल की गई थी।

साहित्य

गुरु पूर्णिमा पर संस्कार भारती की अनूटी पहल : सम्मान आपके द्वार अभियान

दो वरिष्ठ गुरुजनों के घर जाकर उन्हें किया सम्मानित

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। गुरु पूर्णिमा माह के पावन अवसर पर संस्कार भारती, रांची महानगर ने अपनी अनूटी पहल सम्मान आपके द्वार अभियान के तहत समाज के दो वरिष्ठ गुरुजनों को उनके आवास पर जाकर सम्मानित किया। इस पहल के माध्यम से संस्था ने गुरु-परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा को औपचारिक आयोजनों से आगे बढ़ाते हुए आत्मीयता और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का संदेश दिया। अभियान के तहत वरिष्ठ संगीत साधिका एवं लोकगायिका श्रीमती लिली मुखर्जी को संगीत और लोकगीत के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। संस्था ने लोकसंस्कृति और लोकसंगीत के



संरक्षण एवं संवर्धन में उनकी

दीर्घकालीन साधना की सराहना

की। इसी क्रम में वरिष्ठ कथाकार,

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए रामकृपाल कंस्ट्रक्शन के विभिन्न ठिकानों पर (सर्वे) सर्वे ऑपरेशन शुरू किया। विभाग की टीम झारखंड की राजधानी रांची और बिहार के बेगूसराय स्थित कंपनी के कार्यालयों में पहुंचकर वित्तीय दस्तावेजों, कर संबंधी रिकॉर्ड और अन्य महत्वपूर्ण कागजात की गहन जांच कर रही है।

आयकर विभाग की कई टीमों ने एक साथ रांची और बेगूसराय स्थित कंपनी के परिसरों में जांच शुरू की। अधिकारियों ने कार्यालयों में मौजूद दस्तावेजों, कंप्यूटर रिकॉर्ड और वित्तीय लेनदेन से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल की। जांच के दौरान कर्मचारियों और संबंधित



अधिकारियों से भी आवश्यक जानकारी ली जा रही है। रामकृपाल कंस्ट्रक्शन का कारोबार झारखंड, बिहार सहित देश के कई राज्यों में फैला हुआ है। कंपनी सड़क, पुल, भवन और अन्य आधारभूत संरचना से जुड़ी परियोजनाओं का निर्माण कार्य

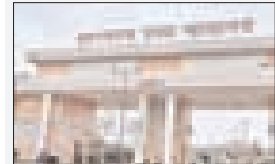
करती है. सरकारी और निजी क्षेत्र की कई परियोजनाओं में भी कंपनी की भागीदारी रही है। इसी वजह से आयकर विभाग कंपनी के वित्तीय लेनदेन और कर अनुपालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की गहराई से जांच कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक इस कार्रवाई के

दयरे में कंपनी से जुड़े करीब एक दर्जन छोटे ठेकेदारों को भी शामिल किया गया है। ये ठेकेदार विभिन्न निर्माण परियोजनाओं में रामकृपाल कंस्ट्रक्शन के साथ काम करते रहे हैं। आयकर विभाग इनसे जुड़े भुगतान, बिल, अनुबंध और अन्य वित्तीय दस्तावेजों का भी सत्यापन कर रहा है। अधिकारियों का उद्देश्य पूरे वित्तीय नेटवर्क की जांच कर तथ्यों की पुष्टि करना है।

आयकर विभाग की टीम कंपनी के आय-व्यय, बैंकिंग लेनदेन, कर भुगतान, खातों और अन्य वित्तीय रिकॉर्ड की विस्तार से जांच कर रही है। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि सभी लेनदेन आयकर कानूनों के अनुरूप किए गए हैं या नहीं। यदि जांच के दौरान किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता या कर संबंधी गड़बड़ी सामने आती है तो विभाग आगे की कानूनी कार्रवाई कर सकता है।

विवि में एसोसिएट प्रोफेसर की नियुक्ति

मामले में उच्च न्यायालय ने जेपीएससी से मांगा स्टेटस रिपोर्ट



रांची। राज्य के विश्वविद्यालयों में एसोसिएट प्रोफेसर की नियुक्ति को लेकर दायर जनहित याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट ने जेपीएससी को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। अगली सुनवाई 10 सितंबर को होगी। सुनवाई के दौरान जेपीएससी ने कोर्ट को बताया कि झारखंड एलिजिबिलिटी टेस्ट (जैईटी) 2024 परीक्षा ली गई है। इसका रिजल्ट आना बाकी है। मॉडल आंसर की जारी करने और आपत्ति मांगे जाने की प्रक्रिया हो रही थी। इसी दौरान कुछ परेशानी आ गई है, जिससे अभी प्रोसेस आगे नहीं बढ़ पाया। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। उल्लेखनीय है कि प्रार्थी अनिकेत ओहदार व अन्य की ओर से जनहित याचिका दायर की गयी है। इसमें कहा गया है कि रांची विश्वविद्यालय में लंबे समय से एसोसिएट प्रोफेसर व शिक्षकेतरकर्मियों की नियुक्ति नहीं की गयी है। संविदा के आधार पर ही नियुक्ति की जा रही है, जो नियमों का उल्लंघन है। प्रार्थी ने संविदा के बदले नियमित नियुक्ति करने की मांग की है।

आर्सेनिक मुक्त शुद्ध पेयजल बनाने की दिशा में बीआईटी मेसरा का कदम

रांची। बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), मेसरा ने साहेबगंज जिले के आर्सेनिक प्रभावित नौ सरकारी विद्यालयों में पांच-स्तरीय आर्सेनिक निष्कासन फिल्टर स्थापित कर तीन हजार से अधिक विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया है। बीआईटी मेसरा के पूर्व छात्र की ओर से स्थापित आशा एंड सज्जन अग्रवाल फाउंडेशन के सहयोग से की गई इस पहल से राज्यभर में आर्सेनिक युक्त लाल पानी से काबोमेंट तत्व पूरी तरह से खत्म हो सकती है। कई जगहों में पानी साफ किए जा रहे हैं। बीआईटी मेसरा की ओर से गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी दी गई। इस परियोजना का नेतृत्व इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड प्लानिंग के एसोसिएट डीन डॉ. कीर्ति अभिषेक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. विशाल एच. शाह तथा शोधार्थी आकाश ने किया। टीम ने फिल्टर स्थापना के बाद पानी की गुणवत्ता की जांच कर इसकी प्रभावशीलता की पुष्टि भी की है। डॉ. कीर्ति अभिषेक ने बताया



कि वर्षों से साहेबगंज के कई विद्यालयों में मटर्मला और आर्सेनिक युक्त पानी विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ था। नई फिल्ट्रेशन प्रणाली स्थापित होने के बाद राजकीय मध्य विद्यालय फुदकीपुर, स्वामी विवेकानंद उच्च विद्यालय श्रीधर, यूएमएस सरपंच टोला, एमएस किशन प्रसाद, यूपीजी राजकीय मध्य विद्यालय समदा, यूपीजी पीएस शांतिनगर घोघी, यूएचएस श्रीरामचौकी, पीएम श्री नगरपालिका कन्या विद्यालय तथा एक सीएम

स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में अब स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। बीआईटी मेसरा की ओर से भी कहा गया है कि यह पहल तकनीकी विशेषज्ञता के माध्यम से झारखंड की जमीनी समस्याओं के समाधान और सामाजिक दायित्व निभाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यूएचएस श्रीरामचौकी की शिक्षिका अनिता कुमारी ने बताया कि फिल्टर लगने के बाद पानी की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और सभी विद्यार्थी इसका उपयोग कर रहे हैं।

सदर अस्पतालों से हटेंगे पीपीपी मोड वाले पेयलैब

रांची। झारखंड मेडिकल एंड हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एंड प्रोक्योरमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जेएमएचआईडीपीसीएल) के निदेशक मंडल की 19वीं बैठक गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में गोपाल हाउस में हुई। बैठक में कुल 32 एजेंडों पर विचार-विमर्श कर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस अवसर पर बोर्ड ने तय किया कि जिन जिलों के सदर अस्पतालों में जांच की पर्याप्त सरकारी सुविधा उपलब्ध हो चुकी है, वहां पीपीपी मोड पर कार्यरत पैथोलॉजी एजेंसियों की सेवाओं की समीक्षा करते हुए उन्हें वरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जाएगा। बैठक में सहिया कार्यकर्ताओं के लिए टैब और स्वास्थ्य विभाग के लिए लैपटॉप खरीदने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। इस संबंध में प्रस्ताव को कैबिनेट की स्वीकृति के लिए भेजने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा सहिया कार्यकर्ताओं को स्कूटी और वर्दी (बूटी) उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया।

एक नजर

अमेजन.इन पर 7 अगस्त से शुरू हो रही है ग्रेट फ्रीडम सेल

रांची। अमेजन इंडिया ने आज घोषणा की है कि ग्रेट फ्रीडम सेल 2026 7 अगस्त को रात 12:00 बजे से लाइव होगी। इस सेल में स्मार्टफोन, फैशन, ब्यूटी, होम, किचन, बड़े उपकरण, किराना, रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी चीजों और अन्य श्रेणियों में शानदार डील्स एक साथ मिलेंगी। सेल के दौरान, ग्राहक 'टॉप 100 डीलस्', 'ब्लॉकबस्टर डीलस्', 'ट्रेंडिंग डीलस्' और '8 पीएम डीलस्' और बहुत कुछ के जरिए बेहतरीन बचत की उम्मीद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ग्राहक एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड और इंजीईएमआई ट्रान्ज़ैक्शन पर 10 प्रतिशत की इंस्टेंट छूट और चुनिंद क्रेडिट व डेबिट कार्ड पर नो-कॉस्ट ईएमआई के साथ 2,000 तक के कैशबैक रिवॉइर्स का लाभ उठा सकते हैं। विभिन्न श्रेणियों में मिलने वाली शानदार डीलस् के अलावा, ग्राहकों को चुनिंद क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर नो-कॉस्ट ईएमआई, इंस्टेंट बैंक डिस्काउंट, एक्सचेंज ऑफर्स और अमेजन व रिवॉइर्स जैसे कई किफायती विकल्प भी मिलेंगे। देश के 100प्रतिशत सेवा योग्य पिन-कोड पर तेज और सुविधाजनक डिलीवरी के साथ, पूरे भारत के ग्राहक एक सहज और आसान शॉपिंग अनुभव का आनंद ले सकते हैं। **एआई ने खरीदारी को बनाया आसान :** अमेजन इंडिया अपने एआई-पावर्ड फीचर्स के जरिए खरीदारी को और अधिक सहज और आसान बना रहा है, जिससे ग्राहकों को पूरे भरोसे के साथ सामान खोजने, तुलना करने और खरीदने में मदद मिलेगी।

सामान्य बारिश की ओर बढ़ रहा झारखंड, विचलन घटकर 45 से हुआ 25 प्रतिशत



रांची। राज्य धीरे-धीरे सामान्य बारिश की ओर बढ़ रहा है। जून महीने में जहां झारखंड में सामान्य से 45 प्रतिशत बारिश का विचलन (कमी) था। वहीं अब यह घटकर 25 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी। राज्य में 01 जून से 30 जुलाई तक 499.3 मिलीमीटर की तुलना में 372.6 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई है। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम जिले के तांतनगर में 37.2 मिलीमीटर रिकार्ड की गई। वहीं इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 33.5 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान रांची के कार्कि में 20.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे जबकि दोपहर बाद मौसम साफ हुआ और बीच-बीच में धूप खिली रही। इससे गर्मी और उमस महसूस किया गया। वहीं, गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री और न्यूनतम 22.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 32.1 डिग्री और न्यूनतम 25.7 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 32.2 और न्यूनतम 24.9 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 31.2 डिग्री और न्यूनतम 25.5 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

भेल प्रबंधन एचईसी कर्मचारियों को कर रहा अनावश्यक परेशान : लालदेव

रांची। हटिया कामगार यूनियन (एटक) के उपाध्यक्ष लालदेव सिंह ने भेल प्रबंधन पर एचईसी कर्मचारियों को अनावश्यक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पिछले छह वर्षों से एचईसी की स्थिति में सुधार की जिम्मेदारी भेल प्रबंधन को सौंपी गई थी, लेकिन हालात बेहतर होने के बजाय लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को मिलने वाली कई सुविधाओं में कटौती के बावजूद एचईसी की देनदारियां लगातार बढ़ रही हैं। लालदेव सिंह ने कहा कि आर्थिक संकट के बावजूद एचईसी के कर्मचारी संयम बनाए रखते हुए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। इसके बावजूद भेल प्रबंधन ने नियमों का हवाला देते हुए कर्मचारियों के लिए वर्ष में केवल तीन बार अर्जित अवकाश (ईएन) लेने की व्यवस्था लागू कर दी है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा नियमों के अनुसार कर्मचारियों को एक वर्ष में एक माह के अर्जित अवकाश का नगदीकरण कराने का अधिकार है, जिसके बदेले निगम को भुगतान करना चाहिए। लेकिन भेल प्रबंधन इस प्रावधान को लागू नहीं कर रहा है। इतना ही नहीं, सैकड़ों कर्मचारियों के पूर्व में अर्जित अवकाश का नगदीकरण कराने के बावजूद अब तक भुगतान नहीं किया गया है। हटिया कामगार यूनियन (एटक) ने भेल प्रबंधन से अविलंब अर्जित अवकाश नगदीकरण की व्यवस्था लागू करने और लंबित भुगतान शीघ्र जारी करने की मांग की है। यूनियन का कहना है कि इससे आर्थिक संकट से जूझ रहे कर्मचारियों को बड़ी राहत मिलेगी।

एसयूबी में 19 अगस्त को पिवसल स्पंदन का आयोजन, पोस्टर लॉन्च



रांची। विश्व फोटोग्राफी दिवस-2026 के अवसर पर सरला बिरला यूनिवर्सिटी (एसबीयू) के फैकल्टी ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन एवं शटरबग क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले दो दिवसीय विशेष फोटोग्राफी इवेंट पिवसल स्पंदन का पोस्टर गुरुवार को लॉन्च किया गया। आइज बिहाइंड द लेंस, हार्ट बिहाइंड द शटर थीम पर आधारित यह आयोजन 19 और 20 अगस्त 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में होगा। पोस्टर का विमोचन यूनिवर्सिटी के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक और कुलपति प्रो सी जगन्नाथन ने संयुक्त रूप से किया। एसयूबीएसयूबी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में अनीमेष बागची ने बताया कि आयोजन के दौरान फोटोग्राफी इंडस्ट्री के अनुभवी विशेषज्ञों की ओर से सेमिनार और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें विद्यार्थियों को प्रेस, प्रोफेशनल और फ्रीलॉंस फोटोग्राफी की तकनीकों के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि नेचर, टुइबल कल्चर और अपनी रांची विशेषों पर आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन पंजीकरण एक से 16 अगस्त 2026 (शाम पांच बजे तक) होगा। इस अवसर पर रजिस्ट्रार एसबी डॉडीन, फैकल्टी ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन के डीन अजय कुमार, विभागाध्यक्ष डॉ सुधीर कुमार, प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस अजय कुकरेती, डॉ नंदिनी सिन्हा सहित विभिन्न विभागों के डीन, डिप्टी रजिस्ट्रार एवं फैकल्टी सदस्य मौजूद थे।

जेपीएससी विवाद के सूत्रधार हैं बाबूलाल : एम तौसीफ

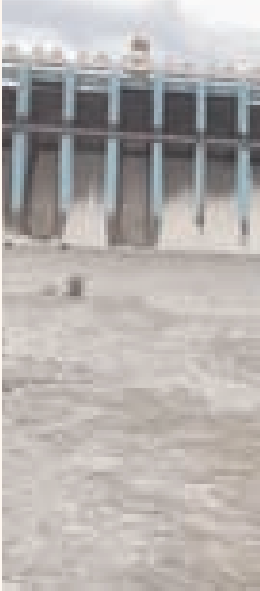
रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया संयोजक डॉ एम तौसीफ ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू पर हमला करते हुए कहा है कि जेपीएससी विवाद के सूत्रधार झारखंड के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी हैं। उन्होंने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राज्य में सबसे पहले बाबूलाल मरांडी के खिलाफ जांच होनी चाहिए। उन्होंने अपने कार्यकाल में अपने चर्चों को जेपीएससी का अघ्यक्ष और सदस्य बनाया था। पूर्व के जेपीएससी के सदस्यों का बैकग्राउंड किस विचारधारा से था। यह किसी से छिपा नहीं है। उस दौरान जेपीएससी में धोखली कर बाबूलाल के चाहने वालों को नोकरियां रेवेडी की तरह बांटी गईं। काफी विरोध भी हुआ और हजारों छात्र सड़क पर उतरे। लेकिन दबाव के कारण जेपीएससी के पहले और दूसरे बैच को लेकर मुकदमा हुआ और मामला कोर्ट में गया। इससे यह प्रतीत होता है कि भाजपा ने सरकार में आने के साथ ही शिक्षा व्यवस्था को बिल्कुल ध्वस्त कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

अनुमंडल बार एसोसियेशन चाण्डिल ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीओ को सौंपा ज्ञापन



नवप्रदेश/चाण्डिल:- अनुमंडल वार एसोसियेशन चाण्डिल प्रतिनिधि मंडल का एक समूह के साथ प्रशाशी सहायक पदाधिकारी चाण्डिल प्रदीप कुमार महतो को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें वार एसोसियेशन के द्वारा जनहित को देखते हुए अधिवक्ता समस्याओं का समाधान हेतु झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नाम पर मांग पत्र सौंपा। चाण्डिल बार एसोशियेशन द्वारा जापान के माध्यम से मांग किया गया कि चाण्डिल में जेल भवन का निर्माण अविलंब किया जाए, चाण्डिल अनुमंडल न्यायालय में स्टायम भण्डार की स्वीकृति किया जाये, चाण्डिल अनुमण्डल बार भवन के सामने लाईब्रेरी का निर्माण कराया जाय। मौके पर प्रतिनिधि मंडल का अधिवक्ता कमलेश कुमार सिंह, संजय कुमार महतो, गोवर्धन महतो, कमल कुमार महतो, कार्तिक प्रामाणिक , सुभाष महतो, मनोत्थ मौंझी, अविनाश दास, दिलीप कुमार महतो, छाया प्रति समीर कुमार महतो, प्रेस प्रवक्ता शिवेश्वर महतो उपस्थित थे।
लगातार बारिश से बड़ा चांडिल डैम का जलस्तर, 6 रैडियल समेत दस गेट खोले गए



नवप्रदेश/चांडिल: पिछले दो दिनों से हो रही झमाझम बारिश के कारण चांडिल डैम का जलस्तर एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगा है। बुधवार को डैम का जलस्तर बढ़कर 179.34 मीटर पहुंच गया। जलस्तर में लगातार वृद्धि को देखते हुए डैम प्रबंधन ने एहतियात के तौर पर 6 रैडियल गेट आधा-आधा मीटर, दो अंडर स्लूइस गेट डेढ़-डेढ़ मीटर तथा दो रिवर स्लूइस गेट 15-15 सेंटीमीटर खोल दिए। गेट खुलने के बाद डैम से अतिरिक्त पानी की निकासी शुरू हो गई है। डैम का जलस्तर बढ़ने से विस्थापित गांवों के लोगों की चिंता बढ़ गई है। हर वर्ष मानसून के दौरान जलस्तर बढ़ने पर निचले इलाकों और विस्थापित बस्तियों के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। लगातार हो रही बारिश के बीच ग्रामीणों की नजर डैम के जलस्तर पर टिकी हुई है। हालांकि समय रहते डैम के गेट खोल दिए जाने से विस्थापित गांवों के लोगों ने राहत की सांस ली है। डैम प्रबंधन जलस्तर की लगातार निगरानी कर रहा है और आवश्यकता के अनुसार पानी की निकासी की जा रही है। यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा तो आने वाले दिनों में जलस्तर में और वृद्धि की संभावना बनी हुई है। इसलिए प्रशासन और डैम प्रबंधन पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

जैन मंदिर में वीर शासन जयंती एवं ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न

नव प्रदेश संवाददाता

झुमरीतिलैया। जैन मंदिर में वीर शासन जयंती एवं ध्वजारोहण का कार्यक्रम बड़े ही भव्य रूप से जैन संत सुयश सागर जी के सानिध्य में संपन्न हुआ सर्वप्रथम आज प्रातः विशाल नगर शोभा यात्रा बैंड बाजे घोड़ा गाड़ी बग्गी के द्वारा निकाली गई महिलाएं अपने माथे पर मंगल कलश जैन ध्वज लेकर नगर यात्रा में शामिल हुईं प्रतिष्ठाचार्य संजय भैया मुकगिरि एवं पंडित अभिषेक शास्त्री के द्वारा ध्वजारोहण की विधि विधान से पूजा कराई गई विरागोदय वर्षा योग 2026 के संश्लोक शैलेश छाबड़ा रौनक कासलीवाल सिद्धांत सेठी ने मंच संचालन किया कोलकाता के

डोमचांच बाजार में खाद्य सुरक्षा एवं तंबाकू नियंत्रण को लेकर संयुक्त जांच अभियान

अखाद्य रंग से बने खाद्य पदार्थ व भिलावटी हल्दी नष्ट, तंबाकू नियमों के उल्लंघन पर जुमाना

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। विभागीय निदेशानुसार आज खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, कोडरमा एवं टोबैको कंट्रोल सेल की संयुक्त टीम द्वारा डोमचांच बाजार स्थित लगभग 25 खाद्य प्रतिष्ठानों एवं फूड स्टॉल्स का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य प्रतिष्ठानों में बेची जा रही पैकेज्ड खाद्य सामग्रियों की जांच की गई। खाद्य कारोबारियों को निर्देश दिया गया कि पैकेज्ड एवं डिब्बाबंद खाद्य सामग्रियों की बिक्री से पूर्व उन पर त्रहरअक लाइसेंस नंबर, निर्माण तिथि, यूज-बाय अथवा एक्सपायरी तिथि तथा निमाता का पूर्ण पता अंकित होना



सुनिश्चित करें। ऐसा नहीं पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत निमाता एवं विक्रेता दोनों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान विभिन्न फूड स्टॉल्स पर बेचे जा रहे चाट, छोले एवं चटनी में उपयोग किए जा रहे रंग की भी जांच की गई। कई फूड स्टॉल्स में कपड़ा रंगने में प्रयुक्त होने वाले कैसरकारक औद्योगिक अखाद्य रंग का उपयोग पाया गया। इसके बाद संबंधित छोले एवं चटनी को मौके पर ही नष्ट कराया गया। विभिन्न किराना दुकानों में बेचे जा रहे डिब्बाबंद लड्डू एवं बर्फी की जांच में भी कैसरकारक अखाद्य रंग पाए गए। लगभग 10 किलोग्राम ऐसे

21 लीटर जल लेकर देवघर निकली कुसुम को डोमचांच में नगर अध्यक्ष ने किया सम्मानित



कुसुम साहू का धर्म, संस्कृति और गौ सेवा के प्रति समर्पण प्रेरणादायक है: उमेश वर्मा

नव प्रदेश संवाददाता

डोमचांच। आस्था, सेवा और संकल्प का अद्भुत उदाहरण पेश करते हुए डोमचांच की बेटी कुसुम साहू 360 किलोमीटर लंबी कांवड़ पदयात्रा पर निकल पड़ी हैं। गौ सेवा और सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार का संदेश लेकर यात्रा पर निकली कुसुम का डोमचांच पहुंचने पर नगर अध्यक्ष उमेश वर्मा एवं स्थानीय लोगों ने भव्य स्वागत कर सम्मानित किया। इस दौरान उन्हें अंगवस्त्र पहनाकर और

गुरुपूर्णिमा पर डोमचांच गायत्री चेतना केंद्र में अखंड जप, पंचकुडीय यज्ञ व मेधावी छात्राओं का सम्मान

नव प्रदेश संवाददाता

डोमचांच। गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर डोमचांच स्थित गायत्री चेतना केंद्र में श्रद्धा, साधना, संस्कार और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुरुआत 12 घंटे के अखंड गायत्री मंत्र जप से हुई, जिसके बाद व्यास पूजन, पंचकुडीय हवन यज्ञ, नामकरण, अन्नप्राशन एवं दीक्षा संस्कार वैदिक विधि-विधान के साथ संपन्न कराए गए। श्रद्धालुओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर गुरुदेव पं.

श्रावणी मेला 2026: श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता

उपायुक्त ने बासुकीनाथ मेला क्षेत्र का किया निरीक्षण

नवप्रदेश/दुमका: राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव-2026 के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन को लेकर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने गुरुवार को तारा मंदिर से बाबा बासुकीनाथ मंदिर तक संपूर्ण मेला क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रूट लाइन, व्यू कॉम्प्लेक्स, संस्कार मंडप, टेंट अस्पताल, कंट्रोल रूम सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद मंदिर सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने कहा कि आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की संभावना है। ऐसे में सभी विभाग आपसी समन्वय, सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य



श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित जलापण की सुविधा उपलब्ध कराना है। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए उपायुक्त ने तारा मंदिर ओपी में अतिरिक्त दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही रूट लाइन पर तैनात दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को श्रद्धालुओं की कतार को व्यवस्थित एवं सुचारु

रूप से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। टेंट अस्पताल के निरीक्षण के दौरान उन्होंने 247 एम्बुलेंस सेवा, स्ट्रेचर, आवश्यक दवाइयों और चिकित्सकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। टोटो एम्बुलेंस और बाइक एम्बुलेंस के चालकों को अस्पताल परिसर में उपलब्ध रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त एम्बुलेंस की व्यवस्था करने को भी कहा।

कलश सौरभ सुधा पटौदी परिवार हजारीबाग, सम्यक दर्शन कलश बीना देवी गौरव कुमार परिवार भाटपारा छत्तीसगढ़, सम्यक ज्ञान कलश सुयश एग्नो फार्म मनी भक्त परिवार तामसा महाराष्ट्र परिवार, सम्यक चारित्र कलश राज कला आतिश काला परिवार तामसा महाराष्ट्र, विशुद्ध कलश सुशील पाटनी हजारीबाग परिवार के द्वारा मंदिर में स्थापित किया गया आज वीर शासन के पावन अवसर पर जैन संत सुयश सागर ने अपने अमृतमय प्रवचन में कहा कि भगवान महावीर का शासन काल आज के शुभ दिन ही प्रारंभ हुआ था इसलिए पूरे विश्व में आज के दिन वीर शासन जयंती पर्व मनाया जाता है भगवान महावीर की प्रथम देशना

तंबाकू नियंत्रण से संबंधित प्रावधानों का अनुपालन करने तथा खुले तंबाकू पदार्थों की बिक्री नहीं करने का निर्देश दिया गया। कारोबारियों को यह भी बताया गया कि 21 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों को तंबाकू उत्पाद बेचना दंडनीय है। बिक्री स्थल पर इस संबंध में निर्धारित चेतावनी बोर्ड प्रदर्शित करना आवश्यक है। साथ ही शिक्षण संस्थान, स्वास्थ्य संस्थान, न्यायालय परिसर एवं सार्वजनिक कार्यालयों के निर्धारित क्षेत्र में तंबाकू उत्पादों की बिक्री एवं उपयोग पर लागू प्रतिबंधों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया गया। जिन खाद्य कारोबारियों के पास फूड लाइसेंस नहीं है, उन्हें जल्द से जल्द नजदीकी प्रशा केन्द्र अथवा सदर अस्पताल, कोडरमा स्थित खाद्य सुरक्षा कार्यालय में आवेदन करने को कहा गया। स्पष्ट किया गया कि अगली जांच में बिना लाइसेंस खाद्य कारोबार करते पाए जाने पर अशुद्ध लगाया जाएगा। गलत जानकारी देकर फूड लाइसेंस

प्राप्त करने वालों के लाइसेंस को निलंबित करने तथा उनके विरुद्ध अशुद्ध दंड की कार्रवाई भी की जाएगी। खाद्य कारोबारियों को अपने प्रतिष्ठानों में समुचित साफ, सफाई, स्वच्छता एवं हाइजीन का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री की बिक्री सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। फूड स्टॉल, कार्ट एवं टेला संचालकों को अपना फूड लाइसेंस स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने को कहा गया। सभी खाद्य कारोबारियों को एक्सपायरी, बासी अथवा सड़ने-गली खाद्य सामग्री को तत्काल नष्ट करने का सख्त निर्देश दिया गया। होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा एवं फूड स्टॉल संचालकों को पनीर एवं खोआ केवल भरोसेमंद तथा फूड लाइसेंस प्राप्त प्रतिष्ठानों से पक्के बिल के साथ खरीदने एवं उपयोग करने की हिदायत दी गई। खाद्य पदार्थों के निर्माण में केवल गुणवत्तापूर्ण सामग्री एवं एफएसएसआईआई मानकों के अनुरूप प्रमाणित फूड कलर का निर्धारित मात्रा में उपयोग करने का निर्देश दिया गया।

ग्रिजली विद्यालय में करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम, शिक्षा क्षेत्र में उज्ज्वल भविष्य के अवसरों से रूबरू हुए विद्यार्थी



नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय के ऑडिटोरियम में विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा क्षेत्र में करियर की सभाबनाएँ विषय पर प्रेरणादायी करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रमों, रोजगार के अवसरों और शिक्षा जगत में उपलब्ध विविध करियर विकल्पों की जानकारी देना था। मुख्य वक्ता ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सहायक प्राध्यापक सौरभ शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में प्रशिक्षित शिक्षकों की मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने डी. एल. एड., बी. एड., एम. एड., टीईटी और सीटीईटी जैसे पाठ्यक्रमों एवं परीक्षाओं की उपयोगिता बताते हुए शिक्षक बनने की प्रक्रिया, पात्रता और सरकारी व निजी संस्थानों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा से लेकर आधुनिक शिक्षा व्यवस्था तक शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया। स्वादात्मक सत्र में विद्यार्थियों ने करियर से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका सौरभ शर्मा ने व्यावहारिक उदाहरणों के साथ समाधान किया। कार्यक्रम का परिसर आलोक ने कराया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सुशोभ कुमार ने दिया। इस अवसर पर विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं प्राचार्य अंजना कुमारी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को सही करियर चुनने, आत्मविश्वास बढ़ाने और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका समझने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में एस.के. जायसवाल, नागेन्द्र कुमार, सुजन कुंडू सहित विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

दुमका में चोरी का खुलासा: दो आरोपी गिरफ्तार भारी मात्रा में चोरी का सामान बरामद

नवप्रदेश/दुमका। मुफ्फसील थाना क्षेत्र के रानीडंडा गांव में एक नव-निर्मित मकान में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों के कब्जे से चोरी का भारी मात्रा में सामान बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार, डॉ. नारायण हांसदा के नव-निर्मित मकान में चोरी की घटना के संबंध में मुफ्फसील थाना कांड संख्या 103/2026, दिनांक 29 जुलाई 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 305, 331(4) एवं 3(5) के तहत अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक दुमका के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर) दिलीप खलखो के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान

एक नजर

मरकच्चो में जीपीडीपी प्रशिक्षण संपन्न, सहभागी विकास योजना तैयार करने पर दिया गया जोर



नव प्रदेश संवाददाता/मरकच्चो। ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) 2026- 27 को प्रभावी, सहभागी एवं समयबद्ध तरीके से तैयार करने के उद्देश्य से मरकच्चो प्रखंड सभागार में ग्राम पंचायत फैसलिटेशन टीम (जीपीएफटी) का द्वि-दिवसीय बैचवार प्रशिक्षण गुरुवार को संपन्न हो गया। 29 से 30 जुलाई तक आयोजित इस प्रशिक्षण का संचालन ब्लॉक रिसोर्स टीम (बीआरटी) ने किया। प्रशिक्षण में प्रखंड समन्वयक शशि कुमार यादव, सहायक अभियंता बादल दास विधाता एवं मुखिया मास्टर ट्रेनर नीता कुमारी ने जामु, चोपनाडीह, पूरानगर, दशारोखुर्द, सिमरिया, पपलो, महगाँय और तेलोडीह पंचायतों के जीपीएफटी सदस्यों को ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने की विस्तृत प्रक्रिया से अवगत कराया। प्रतिभागियों को 16वें वित्त आयोग के दिशा. निर्देश, ग्राम सभा की भूमिका, सहभागी पंचायत निर्माण, पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई), विकास स्थिति रिपोर्ट (डीएसआर), संसाधन मानचित्रण, विभिन्न विभागीय योजनाओं के अभिसरण तथा ई-ग्रामस्वराज पोर्टल पर योजनाओं की ऑनलाइन प्रविष्टि की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान व्यावहारिक अभ्यास, समूह चर्चा और प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित कर प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया तथा पंचायतों की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप समावेशी एवं गुणवत्तापूर्ण विकास योजना तैयार करने के गुर सिखाए गए। समापन अवसर पर प्रशिक्षकों ने सभी जीपीएफटी सदस्यों से अपने-अपने पंचायत क्षेत्रों में ग्राम सभाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर बेहतर एवं जनहितकारी ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रखंड एवं पंचायत स्तर के पदाधिकारी, कर्मी तथा ग्राम पंचायत फैसलिटेशन टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

ईयागढ़ बस्ती में बालू लदे टीपर घर में घुसा, सो रहे तीन बच्चे मलवे में दब गए, आक्रोश ग्रामीणों ने किया घंटों सड़क जाम



नवप्रदेश/ईचागढ़ – ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के दुमटाड़ ईचागढ़ मुख्य सड़क पर ईचागढ़ घुनीया पाड़ा में मंगल राजवार के घर में एक अनिर्वाचित बालू लदे आइसर टीपर कच्चा दिवाल को तोड़कर घुस गया। घर के अंदर सो रहे तीन बच्चे मलवा में दब गया। परिजनों ने बच्चों को सकुशल मलवे हटाकर निकाला व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ईचागढ़ में प्राथमिक उपचार कराया गया। मौके से टीपर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण जमा हुए और सड़क को जाम कर घटना को अंजाम देकर भागे टीपर व चालक को पकड़ने का मांग किया। वहीं मौके पर पहुंचे अंचलाधिकारी दिपक प्रसाद व थाना प्रभारी वरूण यादव ने लोगों को समझा बुझाकर सड़क जाम को हटाया। वहीं अंचलाधिकारी व थाना प्रभारी द्वारा जाम में फंसे बालू लदे चार टीपर व एक हाइवा को पकड़कर ईचागढ़ थाना लाया। अंचलाधिकारी दिपक प्रसाद ने बताया कि सभी बालू लदे वाहनों का चालान एवं कागजात का जांच किया गया। उन्होंने कहा कि सभी वाहनों में चालान पाया गया। वहीं मुखिया राखोहरी सिंह मुण्डा एवं ग्रामीणों ने मांग किया कि बालू लदे वाहनों में बीना लाइसेंस का अधिकतर चालक चलाते हैं, जिससे सभी भी बड़ा घटना हो सकती है। उन्होंने मांग किया कि सभी बालू लदे वाहन चालकों का नियमित लाइसेंस जांच किया जाय । प्रशासन ने अज्ञात वाहन को चिन्हित कर कारवाई करने एवं वाहन चालकों का लाइसेंस सक्षम पदाधिकारी द्वारा जांच कराने का आश्वासन दिया। घटना की सूचना मिलते ही जिला परिषद सदस्य जोलालाल मांझी, जेएल केएम नेता तरूण महतो भी घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों से वार्ता किया। मौके पर मुखिया राखोहरी सिंह मुण्डा,चंडी चरण यादव,अभय यादव , पशुपति बागची, रूपेश वर्मा आदि उपस्थित थे।



पुलिस ने रानीडंडा निवासी पिंडु हांसदा (24 वर्ष) और सुधीर हांसदा (19 वर्ष) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के घरों से चोरी गया कूलर, फ्रिज, कई एलईडी टीवी, लैपटॉप, सीपीयू, स्पीकर, डिजिटल मीडिया प्लेयर, बैटरी, इन्वर्टर, ड्रिल मशीन, सरिया काटने की मशीन, कंप्यूटर मॉनिटर, जैक, सबबल, रिच एवं अन्य उपकरण सहित बड़ी मात्रा में सामान बरामद किया है। दोनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

आधी -रात को जंगली हाथी ने दुकानों को तोड़ा व रखी सामानों को खाया

नवप्रदेश/नीमडीह : प्रखंड अंतर्गत आदरडीह गांव में बुधवार की आधी - रात को एक जंगली हाथी ने दुकानों को तोड़कर दुकानों में रखी सामानों को आहार बनाया। वहीं दुकानों रखी सामानों को नष्ट कर दिया है। जिससे लेकर ग्रामीणों और दुकानदारों में नाराजगी और भय का माहौल है।ईचागढ़ विधानसभा के विधायक सविता महतो के निर्देश पर प्रखंड अध्यक्ष सचिन गोप ने आदरडीह ग्रामीणों और दुकानदारों से मिले और क्षतिग्रस्त मकानों और सामानों का जायजा लिया।क्षतिग्रस्त लोगों में से नरेश रजक का घर तोड़कर गायां के चारा खाया, हराधन रजक का दुकान तोड़कर, दुकान में रखी सामान खाया, अजय चंद्र चौद, शंकर कुमार,और जन वितरण शिवजी महिला समिति का सदर तोड़ दिया।सचिन गोप ने वन विभाग अधिकारी से फोन कर संपर्क किया, वन विभाग के अधिकारी ने आश्वासन दिया कि जो -जो दुकानदारों और ग्रामीणों का क्षति हुई है, उन सबको उचित मुआवजा दिये जायेंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते हुई हाथी को नहीं भगया तो बड़ा हादसा होने की आशंका है।मौके पर राज कुमार,मंगल मांझी, अनिल मांझी, शिशित मांझी, मौजूद थे।

नवप्रदेश/ईचागढ़ – ईचागढ़ थाना क्षेत्र के टीकर गांव के पंचगव्य चिकित्सा केन्द्र परिसर में टुलु पंप से धान बीजड़ा पटवन करने के दौरान बुधवार की शाम करीब 6 बजे टुलु पंप में गये बिजली तार की चपेट में आने से गांव के ही 62 वर्षीय मजदूर हाराधन गोप की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को लाश उठाने से मना कर दिया। परिजनों व ग्रामीणों ने मुआवजा का मांग पर अड़े रहा । बताया जा रहा है कि मृतक पंचायत चिकित्सा केन्द्र परिसर का जमीन पर खेती करने के लिए धान बीजड़ा में पटवन कर रहे थे। पंप सेट में लगे बिजली तार कहीं लकी हो गया था और पटवन के समय लकी तार के सम्पर्क में आने से उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी वरूण यादव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के कारण का पता चल जाएगा,

संपादकीय



सियासी मनमानी पर सुप्रीम सवाल

भारतीय लोकतंत्र में मंत्रिपरिषद की वैधता केवल राजनीतिक बहुमत से नहीं, बल्कि संवैधानिक मर्यादाओं से भी तय होती है। संविधान के अनुच्छेद 164(4) के तहत किसी ऐसे व्यक्ति को मंत्री बनाया जा सकता है, जो उस समय विधायक या विधान परिषद का सदस्य न हो, लेकिन यह व्यवस्था केवल छह महीने तक सीमित है। इस अवधि के भीतर उसे विधानमंडल का सदस्य बनना अनिवार्य है, अन्यथा मंत्री पद छोड़ना पड़ता है। अब बिहार से जुड़े एक मामले ने इस प्रावधान की व्याख्या को लेकर गंभीर संवैधानिक प्रश्न खड़ा कर दिया है। विवाद बिहार सरकार में पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश की पुनर्निर्भुक्ति से जुड़ा है। याचिका के अनुसार वे छह महीने के भीतर निर्वाचित नहीं हो सके, फिर भी सरकार के पुनर्गठन के बाद उन्हें दोबारा मंत्री पद की शपथ दिला दी गई। याचिकाकर्ता का तर्क है कि यदि हर नई सरकार या मंत्रिमंडल के गठन के साथ छह महीने की अवधि फिर से शुरू मानी जाए, तो अनुच्छेद 164(4) का उद्देश्य ही निष्प्रभावी हो जाएगा। इससे कोई भी नैर-निर्वाचित व्यक्ति लंबे समय तक मंत्री बना रह सकता है, जो संविधान की भावना के विपरीत होगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को केवल तकनीकी विवाद नहीं, बल्कि कानून और संविधान की व्याख्या से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रश्न माना है। मुख्य न्यायाधीश सुर्वकांत की पीठ ने बिहार सरकार से पूछा है कि बिना निर्वाचित हुए कोई व्यक्ति छह महीने से अधिक समय तक मंत्री पद पर कैसे बना रह सकता है। अदालत की चर्चा के नेतृत्व में नई मंत्रिपरिषद में उन्हें फिर से मंत्री बनाया गया, इसलिए यह एक नया कार्यकाल माना जाना चाहिए। किंतु प्रश्न यह है कि क्या सरकार बदलने या पुनर्गठन से संविधान द्वारा निर्धारित छह महीने की सीमा स्वतः रीसेट हो जाती है, जबकि संबोधित व्यक्ति अब भी निर्वाचित नहीं है? यही वह संवैधानिक पेच है जिस पर सर्वोच्च न्यायालय को निर्णय देना है। अनुच्छेद 164(4) का मूल उद्देश्य कार्यपालिका को अंततः जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों के प्रति जवाबदेह बनाए रखना है। यह प्रावधान केवल व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर करने के लिए बनाया गया था, न कि लोकतांत्रिक जवाबदेही से स्थायी छूट देने के लिए। यदि इसकी ऐसी व्याख्या की जाए कि हर नई सरकार के साथ छह महीने की अवधि पुनः प्रारंभ हो जाए, तो संवैधानिक मर्यादा कमजोर पड़ सकती है। सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला केवल बिहार तक सीमित नहीं रहेगा। यदि पुनर्निर्भुक्ति को घेरा ठहराया जाता है, तो अन्य राज्यों में भी नैर-विधायकों को लंबे समय तक मंत्री बनाए रखने की परंपरा विकसित हो सकती है। वहीं यदि अदालत इसे असंवैधानिक घोषित करती है, तो यह स्पष्ट संदेश जाएगा कि संविधान की सीमाओं को राजनीतिक सुविधा के आधार पर नहीं बदला जा सकता। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि सत्ता का संचालन कानून की भावना के अनुरूप हो। इसलिए इस मामले का निर्णय भारतीय संघीय व्यवस्था, संवैधानिक मर्यादा और लोकतांत्रिक जवाबदेही के लिए दूरगामी महत्व रखेगा।

मुद्दा

कर्म हमें जिम्मेदार बनाता है

सुंदर चंद ठाकुर

जब भी जीवन में कोई कठिनाई आती है, जब कोई तकलीफ़ देता है, जब कोई अन्याय होता है, तो अक्सर एक वाक्य सुनाई देता है। जो जैसा कर्म करेगा, उसे उसका वैसा ही फल मिलेगा। और इस वाक्य में एक छिपी हुई संतुष्टि होती है कि जैसे कर्म एक न्यायाधीश है जो एक दिन सबका हिसाब करेगा। हम दूसरों के कर्मों का हिसाब लगाते रहते हैं, उनके दंड की प्रतीक्षा करते रहते हैं। और इस प्रतीक्षा में अपना कीमती समय और ऊर्जा दोनों गंवा देते हैं। लेकिन क्या यही कर्म का सच्चा अर्थ है? क्या कर्म केवल बदले की एक ब्रह्मांडीय व्यवस्था है? नहीं। यह कर्म की सबसे बड़ी गलतफ़हमी है। कर्म का सिद्धांत कोई सजा की व्यवस्था नहीं है। यह ब्रह्मांड की सबसे बड़ी पाठशाला है। हर अनुभव, वह चाहे सुखद हो या दुःखद, एक सबक लेकर आता है। और जब तक वह सबक सीखा नहीं जाता, वह अनुभव किसी न किसी रूप में लौटता रहता है। यही कर्म का वास्तविक स्वभाव है। यह व्यवस्था ब्रूर नहीं है। यह बहुत धैर्यवान है। यह हमें बार-बार अक्सर देती है। बार-बार हमारा दरवाजा खटखटाती है। और तब तक प्रतीक्षा करती है जब तक कि हम समझने को तैयार नहीं हो जाते। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण ने कर्म की जो व्याख्या की है वह अद्भुत है। उन्होंने कहा झा कर्म करो, फल की चिंता मत करो। यह केवल त्याग का उपदेश नहीं है। यह एक गहरा मनोवैज्ञानिक सत्य है। जब हम फल की चिंता किए बिना कर्म करते हैं, तब हमका कर्म शुद्ध होता है और सर्वश्रेष्ठ होता है। शुद्ध कर्म से शुद्ध चेतना जन्म लेती है। वह चेतना जो बदले की प्रतीक्षा नहीं करती, जो गिनती नहीं रखती, वह चेतना स्वतंत्र होती है। और स्वतंत्र चेतना से किया गया कर्म, वह केवल अपने लिए नहीं, समष्टि के लिए होता है। अब जरा अपने जीवन को देखिए। जो कठिनाइयां बार-बार आती हैं - वही रित्तों में समस्या, वही काम में अवरोध, वही भावनात्मक उथल-पुथल, तो क्या आपने कभी सोचा कि यह बार-बार क्यों आती है? कर्म का सिद्धांत कहता है कि जब तक हम उस अनुभव से सीखते नहीं, वह अनुभव अलग-अलग रूपों में सामने आता रहता है। जैसे एक टीचर जब तक छात्र पाठ नहीं समझता, उसे बार-बार दोहराता है। व्यक्ति बदल जाते हैं, परिस्थितियां बदल जाती हैं, पर वही पाठ फिर सामने आ जाता है। क्योंकि जीवन चाहता है कि हम सीखें, बढ़ें, और अपने वास्तविक स्वरूप की ओर लौटें। यह दंड नहीं है। यह करुणा है। ब्रह्मांड की हम पर करुणा। और यहीं से कर्म का दूसरा गहरा सत्य सामने आता है कि हम अपने कर्मों के शिकार नहीं हैं, हम उनके निर्माता हैं। जब हम यह समझ लेते हैं कि हमारे आज के विचार, आज के निर्णय, आज के कार्य, हमारा कल बना रहे हैं, तब एक जबरदस्त जागरूकता जन्म लेती है। तब हम परिस्थितियों को वेप देना बंद करते हैं। तब हम प्रतीक्षा नहीं करते कि कोई और हमारा जीवन बदलेगा। तब हम स्वयं अपने जीवन की जिम्मेदारी लेते हैं। और यही जागरूकता मनुष्य को भीड़ से अलग करती है। यही उसे एक सचेत जीवन जीने की शक्ति देती है। यही कर्म की सबसे बड़ी शिक्षा है। जागरूक बनें, जिम्मेदार बनें।



डॉ. आशीष वशिष्ठ

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जुड़ाव-संचालित एल्गोरिदम को प्राथमिकता देते हैं, तथ्यात्मक जानकारी की तुलना में सनसनीखेज और भ्रामक सामग्री को बढ़ाते हैं।
अध्ययनों से पता चलता है कि फर्जी खबरें सच्ची खबरों की तुलना में छह गुना तेजी से फैलती हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नीट पेपर लोक को लेकर जेन-जी को संबोधित करते हुए जो पहला सेल्फी वीडियो अपलोड किया था, उसे मेटा ने हटा दिया था। यही वीडियो इंस्टाग्राम पर 24 घंटे के भीतर 300 मिलियन से अधिक बार देखा गया था। बाद में जब इस पर हंगामा हुआ, तब कंपनी ने सफाई देते हुए कहा कि वीडियो को जानबूझकर नहीं हटाया गया बल्कि यह एक तकनीकी खामी थी। इतनी बड़ी कंपनी का तकनीकी खामी का तर्क आसानी से गले नहीं उतरता। समर्थकों का आरोप है कि यह एक सोची-समझी साजिश है ताकि सरकार की बात करोड़ों युवाओं तक पहुंचने से रोका जा सके। फ़िल्हाल यह मामला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की नीतियों, कंटेंट मॉडेरेशन और डिजिटल जवाबदेही को लेकर नई बहस का विषय बन गया है। वास्तव में, मेटा द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के वीडियो सेंसर करना भारतीय लोकतंत्र और डिजिटल संप्रभुता में सीधा हस्तक्षेप है। यह कोई सामान्य कंटेंट मॉडेरेशन नहीं है बल्कि एक विदेशी प्लेटफॉर्म द्वारा यह तय करने की तानाशाही कोशिश है कि भारतीय नागरिक क्या देख सकते हैं। अमेरिकी सोशल मीडिया कंपनियां दुनियाभर में नैरेटिव तय करके सरकारें बदलने का खेल खेलती रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी की पोस्ट पर रोक लगाना इस बात का प्रमाण है कि उपभोक्ता जो देख रहे हैं, वह कंपनियां तय करती हैं। सोशल मीडिया ने आम आदमी को बहुत बड़ी ताकत दी है। सोशल मीडिया के विभिन्न



डॉ मयंक चतुर्वेदी

यह भी सत्य है कि इस पीढ़ी के सामने अनेक चुनौतियां हैं। तीव्र प्रतिस्पर्धा, रोजगार की क्तिता, मानसिक तनाव, डिजिटल व्यसन और सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव युवाओं को प्रभावित करता है। इन समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। किंतु इन चुनौतियों का समाधान पूरी पीढ़ी को प्रोत्साहित करते रहने में ही है। वास्तविकता यही है कि युवाओं को उपदेश से अधिक अवसर चाहिए, आलोचना करने के स्थान पर उनका मार्गदर्शन किया जाना जरूरी है और संदेह से अधिक विश्वास उन्हें चाहिए।



ऋतुपर्ण दत्ते

रात में हमारे वाहन के हेडलाइट्स, टेल लाइट्स और इंडिकेटरस खराब होने या काम नहीं करने, टायरों का ध्यान नहीं रखने और ज्यादा पुराने, घिसे, कटे-फटे, क्रैक्स से भरपूर टायरों का उपयोग, बरसात के मौसम में घिसे टायरों पर ट्रेवशन कम होने से वाहन फिसलने और प्रायः ब्रेक नहीं लगने से भी दुर्घटनाएं आम हैं।

आज के दौर में यदि किसी देश की सबसे बड़ी ताकत का प्रश्न पूछा जाए तो उत्तर न तो उसके प्राकृतिक संसाधन होंगे और न ही उसकी सैन्य शक्ति। किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसके युवा होते हैं। भारत इस दृष्टि से विश्व का सबसे सौभाग्यशाली देश है। लगभग 38 करोड़ युवाओं वाली भारतीय जेनजी वह जीवंत ऊर्जा है जो आने वाले भारत की दिशा और दशा दोनों तय करेगी, किंतु इन सभी जेनजी के बीच कभी-कभी कुछ सौ या कुछ हजार युवाओं की नकारात्मक गतिविधियां पूरे युवा समाज को बदनाम कर देती हैं। वस्तुतः सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले कुछ दृश्य यह भ्रम पैदा कर देते हैं कि पूरी पीढ़ी दिशाहीन हो गई है, जबकि वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत की असली जेनजी वह है जो सीमाओं पर देश की रक्षा कर रही है, प्रयोगशालाओं में नई तकनीक विकसित कर रही है, खेल मैदानों में तिरंगा लहरा रही है, स्टार्टअप के माध्यम से रोजगार सृजित कर रही है, गांवों में नवाचार कर रही है और समाज सेवा से लेकर पर्यावरण संरक्षण तक हर क्षेत्र में देश का भविष्य गढ़ रही है। यदि हम आज विकसित भारत-2047 के सपने को साकार करने की बात करें तो यही युवा शक्ति उसका आधार बनेगी। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार-बार युवाओं को अमृत पीढ़ी कहकर संबोधित करते हैं। उनका विश्वास है कि विकसित भारत का संकल्प सरकारी योजनाओं के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं या आंदोलनों के दौरान सामने आए अनुशासनहीन दृश्यों को देखकर पूरी जेनजी को कटघरे में खड़ा करना वास्तव में उन करोड़ों युवाओं के साथ अन्याय है जोकि प्रतिदिन राष्ट्रनिर्माण में लगे हुए हैं। यदि 38 करोड़ युवाओं में से कुछ हजार गलत दिशा में चले जाते हैं, तो उससे पूरी पीढ़ी का चरित्र निर्धारित नहीं किया जा सकता। समाज की परिपक्वता इसी में है कि वह विकृतियों का उपचार करे। यदि भारत की जेनजी का वास्तविक चेहरा देखना हो तो सोशल मीडिया से बाहर निकलकर देश की सीमाओं की ओर देखना चाहिए। अमिषपथ योजना के माध्यम से हर वर्ष हजारों युवा भारतीय सेना में भर्ती होकर



राष्ट्ररक्षा का दायित्व संभाल रहे हैं। भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों और राज्य पुलिस में लाखों युवा दिन-रात देश की सुरक्षा में लगे हैं। भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों के पीछे भी आज यही युवा शक्ति खड़ी है। देश में करोड़ों विद्यार्थी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। लाखों युवा शोधकर्ता कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, रक्षा अनुसंधान और चिकित्सा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। विश्व का सबसे हल्का उपग्रह 'कलामसेट' विकसित करने वाले रिफत शारूक हों, मातृ स्वास्थ्य के लिए अभिनव उपकरण तैयार करने वाले युवा शोधकर्ता हों, पार्किंसंस रोगियों के लिए नई तकनीक विकसित करने वाली वैज्ञानिक हों या फिर 'द अर्थ प्राइज' जैसे वैश्विक मंचों पर भारत का नाम रोशन करने वाले किशोर वैज्ञानिक; ये सभी इस बात के प्रमाण हैं कि भारतीय युवा भविष्य की तकनीक के निमातों बन रहे हैं। खेल जगत में भारत की नई पहचान भी इसी पीढ़ी ने गढ़ी है। कभी क्रिकेट तक सीमित समझे जाने वाले भारत ने अब एथ्लेटिक्स, शतरंज, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, निशानेबाजी,

तीरंदाजी, कुश्ती और हॉकी जैसे खेलों में विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में चल रहे राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के लिए मीराबाई चानू दिलीप गावित, ऋषिकांता सिंह चानंभम, मुरली श्रीशंकर मोहम्मद बासिल, झंडू कुमार राजा मुथु पांडे स्वर्ण से लेकर अन्य पदक जीत चुके हैं। अन्य खिलाड़ी भी पदक जीतने के लिए तैयार हैं। नीरज चोपड़ा, मनु भाकर, डी. युंकेश, आर. प्रज्ञानानंद, अमन सहरावत, शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और अनेक युवा खिलाड़ियों ने यह सिद्ध किया है कि भारतीय युवा विश्व विजेता बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था की नई कहानी भी युवाओं के हाथों लिखी जा रही है। आज भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिनटेक, एग्रीटेक, हेल्थटेक, डीप टेक और क्विक कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में भारत युवा उद्यमी नई कंपनियां स्थापित कर रहे हैं। आदित पालिचा, कैवल्य वोहरा, शाश्वत नाकराणी और अनेक युवा उद्यमियों ने यह साबित किया है कि आज का भारतीय युवा नौकरी खोजने के स्थान पर रोजगार सृजित करने वाला बन चुका है। यही

परिवर्तन आत्मनिर्भर भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। देश की इस नई पीढ़ी को हम तकनीक और उद्योग के साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, नेहरू युवा केंद्र और विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों से जुड़कर सेवा कार्य करते हुए भी देख सकते हैं। लाखों युवा शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्तदान, आपदा राहत, महिला सशक्तीकरण और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी भारत की युवा पीढ़ी उल्लेखनीय भूमिका निभा रही है। जल संरक्षण, वृक्षारोपण, प्लास्टिक मुक्त अभियान, जैव विविधता संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने वाले हजारों युवा आज सामाजिक परिवर्तन के वाहक बने हुए हैं। यह भी सत्य है कि इस पीढ़ी के सामने अनेक चुनौतियां हैं। तीव्र प्रतिस्पर्धा, रोजगार की क्तिता, मानसिक तनाव, डिजिटल व्यसन और सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव युवाओं को प्रभावित करता है। इन समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। किंतु इन चुनौतियों का समाधान पूरी पीढ़ी को प्रोत्साहित करते रहने में ही है। वास्तविकता यही है कि युवाओं को उपदेश से अधिक अवसर चाहिए, आलोचना करने के स्थान पर उनका मार्गदर्शन किया जाना जरूरी है और संदेह से अधिक विश्वास उन्हें चाहिए। यही पीढ़ी चंद्रयान और गगनयान के सपनों को साकार करेगी, यही भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर निर्माण में वैश्विक नेतृत्व दिलाएगी, यही ओलंपिक्स में तिरंगा ऊंचा करेगी, यही खेलों में नई तकनीक पहुंचाएगी और यही भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करेगी। अतः आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी युवा शक्ति पर विश्वास करें। वस्तुतः भारत के जेनजी के संदर्भ में कहना यही होगा कि करोड़ों की उक्त संख्या जेनजी की आज भी हर सुबह एक नए सपने के साथ उठती है और हर शाम अपने सपने से राष्ट्र की प्रगति में एक नई ईंट जोड़ देती है। यही पीढ़ी भारत की सबसे बड़ी पूंजी है, यही उसकी सबसे बड़ी आशा है और यही विकसित भारत की सबसे विश्वसनीय आधारशिला है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

सड़क दुर्घटनाओं की चौकाती हकीकत



गिरने की 21527 घटनाओं में 10196 लोगों की मृत्यु हुई, 20719 घायल हुए। स्थिर वस्तु से टकराने की 17451 घटनाओं में 8291 मृत्यु और 16416 घायल हुए। जबकि वाहन पर टकराने की 18905 घटनाओं में 9124 की मृत्यु और 21216 घायल हुए। वहीं, आमने-सामने की टक्कर की 84348 दुर्घटनाओं में 28989 की मृत्यु और 89867 घायल हुए।

अन्य दुर्घटनाओं में 71298 घटनाओं में 22109 की मृत्यु हुई जबकि घायलों की संख्या 66280 रही। इस तरह केवल 2023 में 480583 दुर्घटनाओं में 172890 मौतें और 462825 दुर्घटना के शिकार हुए जो अन्य क्षति छोड़कर, मानवीय हैं।

लापरवाही से दुर्घटनाएं

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि

डिजिटल संप्रभुता में सीधा हस्तक्षेप



जा रहा है। सीएए विरोध प्रदर्शन और किसान आंदोलन दोनों ही प्रमुख घटनाओं के दौरान सोशल मीडिया के दुरुपयोग के कई गंभीर मामले सामने आए थे। इन आंदोलनों के दौरान डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल न केवल सूचना साझा करने के लिए हुआ बल्कि इसके जरिए भारी मात्रा में भ्रामक जानकारीयां, अफवाह और नफरत फैलाने वाले कंटेंट प्रसारित किए गए। ये खुला तथ्य है कि वामपंथी और लिबरल इकोसिस्टम ने इन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर राष्ट्रवादी आवाजों को दबाने और अपनी सहूलियत का रणनीति को दबाने के मिशन में जुटा है। भारत में सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता को बिगाड़ने के प्रयास पिछले एक दशक से जारी हैं। फेक न्यूज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जनित डीपफेक और सीमा पर से संचालित होने वाले फर्जी आकाउंट्स के जरिए सुनिवेशित ढंग से भ्रम और तनाव पैदा किया

सुनामी लहरों का थमना शुरू हो गया है। इंस्टाग्राम पर उनके लिए समर्थन पूरी तरह से फर्जी और प्रायोजित था। इसके लिए तीन प्रोफेशनल एजेंसियों ने पैसे देकर वृहद स्तर पर प्रचार अभियान चलाया। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु की तीन एजेंसियों ने सोशल मीडिया इम्प्लुएंसर्स को पैसे देकर पूरा नैरेटिव सेट करने की कोशिश की। भारत को प्रसारित किए गए। ये खुला तथ्य है कि वामपंथी और लिबरल इकोसिस्टम ने इन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर राष्ट्रवादी आवाजों को दबाने और अपनी सहूलियत का रणनीति को दबाने के मिशन में जुटा है। भारत में सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता को बिगाड़ने के प्रयास पिछले एक दशक से जारी हैं। फेक न्यूज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जनित डीपफेक और सीमा पर से संचालित होने वाले फर्जी आकाउंट्स के जरिए सुनिवेशित ढंग से भ्रम और तनाव पैदा किया

अभियान में मोटी फंडिंग कर भारत में माहौल खराब करने की कोशिश कर रही है? चीन में फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसे बड़े प्लेटफॉर्म पूरी तरह ब्लॉक हैं। उत्तर कोरिया में सोशल मीडिया पर पूरी तरह बैन है। आमलोग सिर्फ रक्वांगमयोंगर नाम के फेसबुक, ट्विटर और यूट्यूब ब्लॉक हैं। ब्राजील ने एक्स को अस्थायी तौर पर बैन किया है। मिस्र, सऊदी अरब और सीरिया जैसे कई देशों में राजनीतिक कारणों से सोशल मीडिया पर कड़ी पाबंदियां हैं। इसके पीछे की वजह सूचना के प्रवाह को नियंत्रित करना, फेक न्यूज को रोकना है। असल में, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जुड़ाव-संचालित एल्गोरिदम को प्राथमिकता देते हैं, तथ्यात्मक जानकारी की तुलना में सनसनीखेज और भ्रामक सामग्री को बढ़ाते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि फर्जी खबरें सच्ची खबरों की तुलना में छह गुना तेजी से फैलती हैं। सोशल मीडिया उपयोगकर्ता अक्सर ऐसी सामग्री से जुड़ते हैं जो उनकी पूर्व-मौजूदा मान्यताओं के अनुरूप होती है, जिससे गलत सूचना को बल मिलता है। प्रधानमंत्री मोदी हर आयुर्वा खासकर युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं। युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता और सीधे कनेक्ट करने की शैली अक्सर विपक्षी दलों को खटकती है। लोकप्रियता के प्रमाण के तौर पर सीजेपी प्रदर्शन के दौरान इंस्टाग्राम पर पीएम मोदी ने दो वीडियो पोस्ट किए थे, जिन पर करोड़ों में

लाइक हैं, पीएम मोदी के इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की संख्या 10.5 करोड़ के पार हो चुकी है। सीजेपी आंदोलन में सिर्फ 40 सप्ताह के दौरान उनके एकाउंट में नए 40 लाख फॉलोअर्स जुड़े हैं। पेपर लोक जैसी गंभीर समस्या पर कड़ा रुख अपनते हुए मोदी सरकार ने हाई पावर टास्क फोर्स और फास्ट ट्रेक कोर्ट का गठन किया है। वहीं, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले दौर्षियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने के लिये पेपर लोक रोधी कानून में आवश्यक बदलाव कर उसे संसद से पास कराया है। ये गंभीर चिंता का विषय है कि अगर मेटा विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री के साथ ऐसा व्यवहार कर सकती है तो क्या उन्होंने एक विश्व इंस्टा पोस्ट को वायरल नहीं किया होगा? आम आदमि को पता दवे से कह सकते हैं कि ये नहीं हुआ होगा? सोशल मीडिया का सारा नियंत्रण अमेरिकी कंपनियों के पास है। ये उनके लिए चुटकी बजाने जितना आसान काम है। भारतीय विज्ञानप राजस्व से अरबों कमाने वाले ये अमेरिकी प्लेटफॉर्म अब भारतीय लोकतंत्र को प्रभावित करने का काम कर रहे हैं, जिन पर मोदी सरकार को तुरंत सख्त रेड लाइन्स तय करनी चाहिए। सीजेपी आंदोलन के दौरान 20 जुलाई को हुई हिंसा में अल्गोरिदम का भी बहुत बड़ा खेल है। इन विदेशी कंपनियों की मंशा साफ है। सरकार को कड़े कदम उठाने चाहिए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संक्षिप्त खबरें

ग्राम सभा की सहमति के बिना पुनर्वास समिति गठन का आरोप, बैठक स्थगित करने की मांग



नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता धांधू नर्थ पश्चिम भाग कोयला परियोजना के पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन समिति के गठन को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर आपत्ति जताई है। इस संबंध में उपायुक्त, लातेहार को एक ज्ञापन सौंपकर 31 जुलाई 2026 को प्रस्तावित समिति की बैठक तत्काल स्थगित करने तथा समिति को भंग करने की मांग की गई है।ज्ञापन में कहा गया है कि समिति में कुछ लोगों के नाम बिना उनकी सहमति और बिना ग्राम सभा की अनुमति के शामिल कर दिए गए। साथ ही समिति के गठन में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया तथा वास्तविक विस्थापित परिवारों की अनदेखी की गई।ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी प्रबंधन और कुछ व्यक्तियों की मनमानी के कारण समिति का गठन गैर-संवैधानिक तरीके से किया गया है।ग्रामीणों ने उपायुक्त से मांग की है कि वर्तमान समिति को तत्काल प्रभाव से भंग किया जाए और नई पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन समिति का गठन ग्राम सभा की सहमति तथा पारदर्शी एवं संवैधानिक प्रक्रिया के तहत किया जाए, ताकि वास्तविक विस्थापित परिवारों को उचित प्रतिनिधित्व मिल सके।इस ज्ञापन पर ग्राम पंचायत धांधू की मुखिया, सहिया नीलम देवी, उममुखिया अनिता देवी सहित अन्य ग्रामीण प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि उनकी मांगों पर विचार नहीं होने की स्थिति में वे लोकतांत्रिक तरीके से आगे की रणनीति अपनाएंगे।

चंदवा: एलटीई कवर वायर चोरी करते एक आरोपी धराया, ग्रामीणों किया पुलिस के हवाले

नवप्रदेश/चंदवा। थाना क्षेत्र के सासगांव में गुरुवार अहले सुबह एलटीई कवर वायर चोरी करते एक युवक को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। ग्रामीणों की पिटाई में घायल आरोपी को पुलिस ने चंदवा सीएचसी में भर्ती कराया, पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान जाकिर खान, निवासी चापू टोला (रांची) के रूप में हुई है। घटना के दौरान उसके अन्य साथी फरार हो गए। पुलिस ने मौके से चोरी का तार भी बरामद किया है। बिजली विभाग की शिकायत पर चंदवा थाना कांड संख्या 149/26 के तहत जाकिर खान समेत अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं, आरोपी के साथ मारपीट करने के आरोप में लगभग 50 अज्ञात ग्रामीणों पर भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

हत्या

चश्मा कारोबारी ने पुरानी प्रेमिका को पाने के लिए करायी शिक्षक पति की हत्या

नवप्रदेश संवाददाता
पलामु। जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के एक चश्मा कारोबारी ने अपनी पुरानी प्रेमिका को दोबारा पाने के लिए उसके शिक्षक पति की गद्दवा में हत्या कराई थी। गद्दवा पुलिस ने बड़गड़ थाना क्षेत्र में हुए चर्चित दीपक कुजूर हत्याकांड का गुरूवार को खुलासा करते हुए मुख्य आरोपित मतिन अख्तर उर्फ मुन्ना खान सहित दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार मृतक दीपक कुजूर सिमडेगा के रहने वाले थे। 19 जुलाई को अपनी सास को उनके मायके बरवा छोड़ कर बाइक से वापस सिमडेगा घर जा रहे थे। इसी दौरान सुपारी किलर ने बाइक से पीछा कर रास्ता रोका और गोली मार दी। एसपी ने बताया कि शिक्षक

पांच सूत्री मांगों को लेकर जल सहियाओं का धरना सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप

प्रदेश नेतृत्व ने चेतावनी दी— मांगें नहीं मानी गईं तो 15 अगस्त से पहले सीएम आवास घेराव करेंगे

बब्लू खान

नवप्रदेश/ लातेहार। झारखंड राज्य जल सहिया कर्मचारी संघ के बैनर तले गुरुवार को पांच सूत्री मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरने में प्रदेश अध्यक्ष गायत्री देवी, प्रदेश महामंत्री रेशमा प्रवीण और मुख्य संरक्षक एतवारी महतो सहित बड़ी संख्या में जल सहिया शामिल हुईं। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से लंबित



मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की। धरना को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष गायत्री देवी ने राज्य सरकार पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार एक ओर महिला सशक्तिकरण के नाम पर महिलाओं को हर महीने आर्थिक सहायता दे रही है, जबकि गांव-गांव जाकर

पेयजल एवं अन्य महत्वपूर्ण कार्य करने वाली जल सहियाओं को समय पर मानदेय तक नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को जल सहियाओं की समस्याओं का शीघ्र समाधान करना चाहिए। संघ के मुख्य संरक्षक एतवारी महतो ने कहा कि फिलहाल सांकेतिक धरने के माध्यम से

सरकार तक अपनी मांगें पहुंचाई जा रही हैं। यदि सरकार मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि 15 अगस्त से पहले रांची में मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। प्रदेश महामंत्री रेशमा प्रवीण ने कहा कि सरकार जल सहियाओं की

सीएम ऑफ एक्सीलेंस बालिका विद्यालय की छात्राओं का हंगामा प्राचार्य व शिक्षिका पर मानसिक प्रताड़ना और अव्यवस्था का आरोप

दर्जनों छात्राएं समाहरणालय पहुंचीं, उपायुक्त को सौंपा आवेदन; जांच और कार्रवाई का मिला आश्वासन

नवप्रदेश संवाददाता

लातेहार। शहर के बीचोंबीच स्थित सीएम ऑफ एक्सीलेंस बालिका विद्यालय की दर्जनों छात्राओं ने गुरुवार को विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। आठवीं, नौवीं, दसवीं और बारहवीं कक्षा की छात्राएं एकजुट होकर समाहरणालय पहुंचीं और उपायुक्त संदीप कुमार को आवेदन सौंपते हुए विद्यालय की प्राचार्य ज्योति ज्योत्सना एवं शिक्षिका अन्नपूर्णा कुमारी पर दुर्व्यवहार, मानसिक प्रताड़ना और शैक्षणिक अव्यवस्था का गंभीर आरोप लगाया। छात्राओं ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई तथा विद्यालय की व्यवस्था में सुधार की मांग की। छात्राओं का कहना है कि विद्यालय में लंबे समय से पढ़ाई का माहौल प्रभावित है। नियमित और गुणवत्तापूर्ण कक्षाएं संचालित नहीं हो रही हैं, जिससे उनकी पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। परीक्षा नजदीक होने के बावजूद कई विषयों का पाठ्यक्रम पूरा नहीं कराया गया। छात्राओं ने आरोप

लगाया कि कौशल विकास विषय की पुस्तक उपलब्ध कराए बिना ही परीक्षा ले ली गई। इसके अलावा कई छात्राओं को समय पर कॉपी और किताबें भी उपलब्ध नहीं कराई गईं। जब उन्होंने इन समस्याओं की शिकायत की तो समाधान करने के बजाय उन्हें डांट-फटकार लगाई गईं और स्कूल से निकाल देने तथा चपल से मारने तक की धमकी दी गई।छात्राओं ने विद्यालय में मिलने वाले मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल उठाए। उनका कहना है कि कई बार भोजन में कीड़े मिलने की शिकायत की गई, लेकिन विद्यालय प्रबंधन ने इस दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया। इससे छात्राओं के स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। उनका आरोप है कि लगातार शिकायत करने के बावजूद उनकी बातों को नजरअंदाज किया जाता रहा, जिससे छात्राओं में असंतोष बढ़ता गया।करीना कुमारी, अंजली कुमारी, विद्या कुमारी, गोरी कुमारी, मीरा कुमारी और पिहू कुमारी सहित

कई छात्राओं ने बताया कि समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आईडी कार्ड बनाने के नाम पर प्रत्येक छात्रा से 100 रुपये तथा रांची भ्रमण के नाम पर 250 रुपये लिए गए, लेकिन इन पैसों के उपयोग और कार्यक्रम की स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया कि जब वे अपनी शिकायत लेकर उपायुक्त से मिलने जा रही थीं, तब रास्ते में शिक्षिका अन्नपूर्णा कुमारी ने उनका आवेदन पत्र छीनने का प्रयास किया। हालांकि छात्राएं पीछे नहीं हटीं और दूसरे आवेदन के माध्यम से उपायुक्त संदीप कुमार से मिलकर अपनी पूरी शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने विद्यालय की प्राचार्य को तत्काल हटाने, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर भोजन और छात्राओं की समस्याओं के स्थायी समाधान की मांग की। उनका कहना है कि जब तक उचित

कार्रवाई नहीं होगी, विद्यालय का शैक्षणिक माहौल सामान्य नहीं हो सकेगा।घटना की जानकारी मिलने पर जिला शिक्षा पदाधिकारी गौतम कुमार साहू और जिला शिक्षा अधीक्षक ऋषिकेश कुमार समाहरणालय पहुंचे और छात्राओं से पूरे मामले की जानकारी ली। इसके बाद छात्राओं के प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त संदीप कुमार से मुलाकात कर अपनी शिकायत विस्तार से रखी। उपायुक्त ने छात्राओं को आश्वासन दिया कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त के आश्वासन के बाद छात्राओं ने उम्मीद जताई कि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा और विद्यालय में बेहतर शैक्षणिक वातावरण बहाल किया जाएगा।

लातेहार : जिला मुख्यालय के मेन रोड पर गुरुवार को गारू प्रखंड के कबरी गांव के ग्राम प्रधान राजेंद्र उरांव का शव बरामद हुआ



नवप्रदेश/लातेहार। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह स्थानीय लोगों ने मेन रोड स्थित एक दुकान के समीप सड़क किनारे एक व्यक्ति की मृत अवस्था में पड़ा देखा।इसके बाद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा के निर्देश पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को कब्जे में लिया। बाद में मृतक की पहचान कबरी गांव के ग्राम प्रधान राजेंद्र उरांव के रूप में हुई। थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

एक नजर

गेरेजा जंगल में पेड़ों की नंबरिंग कर रहे तीन लोगों को ग्रामीणों ने पकड़ा, बिना ग्रामसभा सहमति का लगाया आरोप



नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता। बालूमाथ प्रखंड के गेरेजा गांव स्थित जंगल में गुरुवार को पेड़ों पर नंबरिंग प्लेट एवं स्टीकर लगा रहे तीन लोगों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्रामसभा की सहमति के बिना पेड़ों की नंबरिंग की जा रही थी, जिसका उन्होंने विरोध किया।पकड़े गए लोगों की पहचान राजू कुमार रविदास ग्राम सिंदवारी, पोस्ट हफुआ, जिला चतरा, अर्जुन राम तथा पप्पू राम दोनों ग्राम पिपराडीह बेसरा, प्रखंड बारियातू के रूप में हुई है।ग्रामीणों ने बताया कि यह क्षेत्र एनटीपीसी के धांधू नर्थ कोल ब्लॉक के अंतर्गत आता है। उनका कहना है कि वे अपनी खेती योग्य जमीन किसी भी कौमत पर देना नहीं चाहते हैं और ग्रामसभा की सहमति के बिना किसी भी प्रकार की कार्रवाई स्वीकार नहीं करेंगे।घटना की सूचना मिलते ही मकईयाटांड फिंकेट प्रभारी अभिमन्यु कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर स्थिति को शांत कराया तथा मामले की जांच शुरू कर दी।फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि पेड़ों की नंबरिंग किस विभाग या एजेंसी के निर्देश पर की जा रही थी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं, ग्रामीणों ने मांग की है कि ग्रामसभा की अनुमति के बिना क्षेत्र में किसी भी प्रकार की सर्वेक्षण या नंबरिंग की कार्रवाई नहीं की जाए।

चंदवा को मिली नई सीगात, जेके पयूल एचपी पेट्रोल पंप की हुई शुरुआत



नवप्रदेश/लातेहार। लातेहार जिले के चंदवा प्रखंड के हिसरी-दामोदर स्थित जेके पयूल एचपी पेट्रोल पंप का भव्य शुभारंभ उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, व्यवसायियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की उपस्थिति रही। प्रतिष्ठित व्यवसायी मनोज मेवाड़ा संचालक मोो मुजाहिद (लाल ट्रांसपोर्ट, बालूमाथ) ने फीता काटकर पेट्रोल पंप का संयुक्त रूप से विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नए पेट्रोल पंप के शुरू होने से चंदवा, बालूमाथ तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अब उच्च गुणवत्ता वाला पेट्रोल एवं डीजल स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होगा। इससे वाहन चालकों का समय बचेगा और उन्हें बेहतर एवं सुरक्षित सेवा का लाभ मिलेगा। जेके पयूल प्रबंधन ने बताया कि ग्रहकों को पारदर्शी, विश्वसनीय और त्वरित ईंधन सेवा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। आधुनिक मशीनों एवं बेहतर सुविधाओं से सुसज्जित यह पेट्रोल पंप क्षेत्र की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर स्थापित किया गया है। स्थानीय लोगों ने इस नए प्रतिष्ठान को शुभारंभ का स्वागत करते हुए कहा कि इससे न केवल आम नागरिकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों को भी काफी लाभ होगा। लोगों का मानना है कि क्षेत्र में ईंधन की उपलब्धता मजबूत होने से आवागमन और व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।उद्घाटन समारोह के दौरान पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला और उपस्थित लोगों ने जेके पयूल परिवार को शुभकामनाएं देते हुए प्रतिष्ठान की सफलता की कामना की। मौके पर मुख्य रूप से मोफील खान, जुनैद अनवर, मोहम्मद मुजम्मिल, प्रवीन सिंह, तौकीर अहमद, विवेक सिंह, बिहारी यादव, हाजी उमर अली, मोहम्मद मौजूर (लाल) गिरधारी यादव, मोहम्मद अब्दुकर समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे.

सीसीएल के सहयोग से बालूमाथ में 43 टीबी मरीजों को 110 अतिरिक्त पोषण टोकरियों का वितरण

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बालूमाथ में इलाजरत टीबी मरीजों के बीच पोषण सहायता सामग्री का वितरण किया गया। सीसीएल के सहयोग एवं सीआईएनआई संस्थान के माध्यम से 43 टीबी मरीजों को कुल 110 अतिरिक्त पोषण टोकरियां प्रदान की गईं।इस अवसर पर चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने मरीजों को निर्भयित रूप से दवा लेने के साथ संतुलित एवं शौष्ठिक आहार अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि टीबी का इलाज तभी प्रभावी होता है, जब दवा के साथ मरीजों को पर्याप्त पोषण भी मिले। पोषण टोकरियों के वितरण से मरीजों में उत्साह और खुशी देखी गई।कार्यक्रम में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अलीशा टोप्पो, एसटीएस राजीव कुमार, एसटीएलएस राजा महतो, लैब टेक्नीशियन आविद अख्तर तथा सीआईएनआई के प्रखंड समन्वयक अरविंद कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मी उपस्थित रहे।स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी, बुखार, वजन में कमी या अन्य टीबी के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच करवाएं। अधिकारियों ने कहा कि सामूहिक प्रयास और जनसहभागिता से ही टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

चंदवा में वाहन जांच अभियान, 35 वाहनों का ई-चालान, 35 हजार जुमाना

उपायुक्त संदीप कुमार व डीटीओ उमेश मंडल के निर्देश पर चला अभियान, यातायात नियमों के पालन की अपील



नवप्रदेश/लातेहार। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिला परिवहन विभाग ने गुरुवार को चंदवा थाना क्षेत्र में विशेष वाहन जांच अभियान चलाया। यह अभियान उपायुक्त संदीप कुमार एवं जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल के निर्देश पर संचालित किया गया। अभियान के दौरान मुख्य रूप से दोपहिया वाहनों की जांच की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 35 वाहनों के विरुद्ध ई-चालान काटते हुए कुल 35 हजार रुपये का जुमाना वसूला गया। ऑनलाइन चालान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वाहन चालकों को भविष्य में यातायात नियमों की चेतावनी देकर छोड़ दिया गया।जिला प्रशासन ने सभी वाहन चालकों से हेलमेट पहनने, वाहन के वैध दस्तावेज साथ रखने तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। अभियान में जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक तनवीर हुसैन, आईटी सहायक राजेश प्रसाद तथा चंदवा थाना के पुलिस बल की सक्रिय सहभागिता रही।

बालूमाथ में एसआईआर अभियान शत-प्रतिशत सफल, 100 फीसदी लक्ष्य हासिल

बीडीओ सोमा उरांव ने 8 पर्यवेक्षकों, 85 बीएलओ व सभी कर्मियों को दी बधाई, कहा— टीम वर्क और समर्पण से मिली सफलता:

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता। विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर अभियान के तहत बालूमाथ प्रखंड ने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप 100 प्रतिशत कार्य पूरा कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अभियान की सफलता पर सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव ने



प्रखंड के सभी 13 पंचायतों में कार्यरत 8 पर्यवेक्षकों, 85 मतदान केंद्रों पर नियुक्त 85 बीएलओ, सुपरवाइजर, अधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई देते हुए उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए आभार व्यक्त किया।बीडीओ सोमा उरांव ने कहा

कि एसआईआर अभियान के दौरान सभी बीएलओ एवं संबंधित कर्मियों ने पूरी निष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया। सभी ने निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि पूरी टीम के सामूहिक प्रयास, अनुशासन और मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची अत्यंत आवश्यक है। इसमें

बीएलओ की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि उनकी सक्रियता से प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल हो पाता है। उन्होंने सभी बीएलओ से भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता और ईमानदारी के साथ निर्वाचन संबंधी कार्यों का निर्वहन करने की अपील की।एसआईआर अभियान में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त होने पर प्रखंड प्रशासन ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी समर्पण और दक्षता के साथ कार्य करने की अपेक्षा जताई।



की पत्नी पहले मेदिनीनगर में एक चश्मा दुकान में काम करती थी। इसी दौरान दुकान संचालक मतिन अख्तर उर्फ मुन्ना खान से उसका प्रेम संबंध हो गया था। बाद में

दिसंबर 2025 में महिला की शादी दीपक कुजूर से हो गई और वह सिमडेगा चली गईं। कुछ समय पहले उसने एक बेटी को भी जन्म दिया था। जांच में

सामने आया कि आरोपित अपनी पुरानी प्रेमिका को उसकी बेटी के साथ वापस मेदिनीनगर लाकर अपने साथ रखना चाहता था। महिला के इनकार करने और पति

के साथ रहने पर उसने दीपक कुजूर को रास्ते से हटाने की साजिश रची। पुलिस का दावा है कि इसी साजिश के तहत 19 जुलाई को सालो जंगल के पास शिक्षक पर गोली चलाई गई और धारदार हथियार से हमला कर उनकी हत्या कर दी गई।घटना के बाद गठित एसआईटी ने तकनीकी साक्ष्यों और छापेमारी के आधार पर पहले परवेज आलम को गिरफ्तार किया था। अब मुख्य आरोपित मेदिनीनगर के नवाटोली निवासी मतिन अख्तर उर्फ मुन्ना खान और चैनपुर के उसके सहयोगी मफूज अंसारी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपितों के कब्जे से दो देसी पिस्तूल, 18 कारतूस, एक स्कॉपीयो, एक बाइक और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

संक्षेप्त समाचार

हॉकी टीम की जर्सी का रंग तकनीकी वजहों से बदला, कोई राजनीतिक दबाव नहीं: दिलीप तिर्की

हॉकी इंडिया ने भारतीय हॉकी टीम को जर्सी का रंग नीले से केसरिया कर दिया है। इस पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। पक्ष जहां इस निर्णय का स्वागत कर रहा है, वहीं विपक्ष ने इसे सरकार के दबाव में लिया गया फैसला बताया है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिकी ने आईएनएनएस से कहा है कि इंडियन हॉकी टीम को नई जर्सी का रंग पूरी तरह से तकनीकी वजहों से बदला गया है। न कि किसी राजनीतिक दबाव की वजह से। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हर्मानप्रीत सिंह ने कहा कि यह फैसला तकनीकी कारणों से लिया गया है। यह पहली बार नहीं है। इससे पहले, 2013-14 में, हमारे पास पीली जर्सी थी। इसके बाद, हमने हलेके नीले और फिर गहरे नीले रंग में बदलाव किया। इस बार, हमने भगवा रंग चुना है। इसके कुछ तकनीकी कारण भी हैं। जब आप मैदान पर होते हैं, तो पिच नीली होती है, और हम सब कुछ नीला पहनते हैं, इससे कुछ मुश्किलें आती हैं। हमने नीला पहनकर भी पदक जीते हैं। हम नई जर्सी के रंग से खुश हैं। बाजपा सांसद जगदीप सिंह सिम्रियावाल ने कहा, हर विषय पर सरकार को दोष नहीं देना चाहिए। हॉकी का अपना फेडरेशन है। जर्सी बदल जाने से किसी को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। जर्सी बदलने से तूटान नहीं आना चाहिए। यह छोटी मानसिकता की बीमारी है। पहले भी जर्सी का अपना रंग था जिस पर किसी को कोई ऐतराज नहीं था। अब बदल रहा है, तो भी किसी को कोई ऐतराज नहीं होना चाहिए। हमारे खिलाड़ी कितना पदक जीत रहे हैं, इस पर चर्चा करनी चाहिए। खिलाड़ियों का मनोबल ऊंचा करने के लिए पीएम मोदी और खेल मंत्रालय को शाबाशी दे जानी चाहिए। मौजूदा समय में हमारे खिलाड़ी वैश्विक स्तर पर बड़ी संख्या में पदक जीत रहे हैं। इसके लिए उन्हें शाबाशी दे जानी चाहिए। आजाद समाज पार्टी (कॉंग्रेस) के मुखिया और सांसद चंद्रशेखर आजाद ने इंडियन हॉकी टीम की जर्सी को केसरिया रंग में बदलने पर कहा, अगर सरकार ने यह फैसला लिया है, तो शायद वह मेजोरिटी से जुड़ी चीजों को अपने रंग में लाने की कोशिश कर रही है। केसरिया रंग भगवान बुद्ध के रंग से है। रंगों पर राजनीति से दिल नहीं बंटने चाहिए। इस तरह की सभ्य की राजनीति खतरनाक है।

सोडब्ल्यूजी 2026: जैवलिन फाइनल में पहुंची भारत की
तिकड़ी, नीरज के साथ रोहित और यशवीर से मेडल की
ग्लासगो,

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों की जैवलिन श्रो स्पर्धा के फाइनल में भारत के तीन एथलीट्स नजर आएंगे। गुरुवार को मुश्किल हालात के बावजूद ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा, रोहित यादव और यशवीर सिंह ने क्वालीफाइंग राउंड ग्रुप-ए में शीप-10 स्थान हासिल करते हुए 31 जुलाई को खेलने जाने वाले मेडल इवेंट में जगह बनाई। तेज हवाओं ने क्वालिफिकेशन राउंड के दौरान सदस्यिक श्रो को मुश्किल बना दिया था, लेकिन भारतीय तिकड़ी मेडल इवेंट में आगे बढ़ने वाले टॉप-12 एथलीट्स में अपनी जगह पक्की करने में सफल रही। नीरज 79.61 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि रोहित यादव 78.37 मीटर के साथ नौवां और यशवीर सिंह 78.36 मीटर के साथ 10वां स्थान हासिल किया। दूरी के बजाय क्वालिफिकेशन को प्राथमिकता देते हुए, तीनों भारतीयों ने शुरूआती राउंड को सुरक्षित रूप से पार किया और गेम्स के प्रमुख एथलीटिक्स इवेंट्स में से एक में भारत की मेडल की उम्मीदों को जगा दिया। ग्लासगो गेम्स में अपना पहला मुकाबला खेल रहे नीरज, तेज हवाओं के बावजूद शांत नजर आए। नीरज ने अपने दूसरे प्रयास में 79.61 मीटर का सर्वश्रेष्ठ श्रो करने के बाद फाइनल में जगह पक्की होने पर अपने तीसरे और अंतिम प्रयास को न करने का फैसला किया। वहीं, रोहित यादव (78.37 मीटर) और यशवीर सिंह (78.36 मीटर) ने भी लगातार अच्छा प्रदर्शन। दोनों के बीच सिर्फ एक सेंटीमीटर का अंतर था। श्रीलंका के रमेश पथिराजे ने 82.84 मीटर के शानदार श्रो के साथ क्वालिफिकेशन स्टैंडिंग में शीप स्थान हासिल किया और चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति के अनुसार खुद को सबसे बेहतर ढंग से ढाला। ग्रेनाडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स 81.29 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि साउथ अफ्रीका के डीव सिम्ट 80.64 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इंग्लैंड के बेन ईस्ट (80.38 मीटर) ने नीरज से आगे रहते हुए चौथा स्थान हासिल किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया के कैमरन मैकनटायर (78.91 मीटर), पाकिस्तान के अरशद नदीम (78.63 मीटर), बहामास के कीशॉन स्ट्रेचन (78.60 मीटर), त्रिनिदाद और टोबैगो के केशॉन वॉलकॉट (78.26 मीटर) और नाइजीरिया के विनेचेरेम नाम्गो (75.27 मीटर) भी आगे बढ़े। सिर्फ चार एथलीट ही 80 मीटर का मार्क पार कर पाए। कोई भी 84 मीटर के सीधे क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड तक नहीं पहुंच पाया।

श्रीजा अकुला : बड़ी बहन से मिली प्रेरणा, डब्ल्यूटीटी
कंटेंडर का खिताब जीत रचा इतिहास
नई दिल्ली,

श्रीजा अकुला की गिनती भारत की स्टा र टेबल टेनिस खिला-
ड़ियों में की जाती है। शुरुआती संघर्ष के बाद श्रीजा ने इस खेल में
अपनी कड़ी मेहनत और लगन के दम पर पहचान बनाई। उन्होंने
कॉमनवेल्थ गेम्स में शरथ कमल के साथ मिलकर मिश्रित युगल
स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता।

इसके साथ ही वह डब्ल्यूटीटी कंटेडर स्तर पर एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। श्रीजा का जन्म 31 जुलाई, 1998 को हैदराबाद में हुआ। श्रीजा के पिता एक निजी बॉमा कंपनी में प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। श्रीजा की बड़ी बहन नारदी कल्लिज स्तर पर टेबल टेनिस खेलती थीं और उन्होंने ही श्रीजा को इस खेल से परिचित कराया। बड़ी बहन के साथ मिलकर उन्होंने टेबल टेनिस की बारीकियों को सीखा। इसके बाद उन्होंने सोमनाथ घोष की अकादमी में दाखिला लिया और टेबल टेनिस में करियर बनाने का फैसला किया। हालाँकि, श्रीजा पढ़ाई में भी काफी अच्छी थीं। उन्होंने 12वीं कक्षा में 98.7 प्रतिशत अंक हासिल किए। साल 2019 में श्रीजा ने साउथ एशियाई खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए महिला युगल और टीम स्पर्धाओं में गोल्ड मेडल जीते। वहीं, अप्रैल 2022 में सीनियर नेशनल और अंतर-राज्यीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भी अपना जलवा बिखेरते हुए एकल और युगल दोनों खिताब अपने नाम किए। हालाँकि, श्रीजा के करियर के लिहाज से साल 2022 सबसे महत्वपूर्ण साबित हुआ।

इस साल कामनवेल्थ गैम्स में उन्होंने दिग्गज खिलाड़ी राशक नामल के साथ मिलकर ने श्रिजिता युगल स्पर्धा में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इस प्रदर्शन ने श्रीजा को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। जनवरी 2024 में श्रीजा ने टेक्सास में खेले गई डब्ल्यूटीटी (विश्व टेबल टेनिस) फोर्डर कॉपर्स क्रिस्टी प्रतियोगिता में अपना पहला डब्ल्यूटीटी एकल जीता। वहीं, जून 2024 में नाइजीरिया के लागोस शहर में आयोजित हुए डब्ल्यूटीटी सी कंटेडर टूर्नामेंट में श्रीजा ने चीन की डिंग यिजिये को 4-1 से हराते हुए खिताब पर कब्जा जमाया। वह कंटेडर स्तर का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी भी बनीं।

ग्लासगो में वर्ल्ड-क्लास परफॉर्मेंस: पीटी उषा ने भारत के मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को सराहा

ग्लासगो,

इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मेडल जीतने वाले भारतीय एथलीट्स को साहसा है। उन्होंने कहा कि उनका प्रदर्शन विश्व स्तरीय था और इससे कई खेलों में देश की बढ़ती ताकत का पता चलता है। एथलेटिक्स, पैरा-एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, वेटीलिफ्टिंग और दूसरे इवेंट्स में भारत के शानदार प्रदर्शन पर पीटी उषा ने खिलाड़ियों की कामयाबी की तारीफ की। इसके साथ ही, उन्होंने देश से अपील की है कि वे, अहममेटम को बनाए रखें, ताकि अहमदाबाद में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 में भी अच्छा प्रदर्शन किया जा सके। आईओए की अध्यक्ष डा.आईएनएस सहस्र ने कहा, 'हल्हलखिलाड़ियों को मेडल जीतते हैं, देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है,'

विकसित भारत संकल्प के तहत शुरू होगा नशा मुक्त युवा अभियान: मनसुख मांडविया

नई दिल्ली,
केंद्रीय युवा मामले और
खेल मंत्री मनसुख
मांडविया ने देश के युवाओं
से नशा मुक्ति अभियान में
शामिल होने और देश को
विकसित बनाने की अपील
की है।

मनसुख मांडविया ने सांशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर युवाओं से देश को विकसित बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नशा मुक्ति अभियान में शामिल होने की अपील की है। मांडविया ने वीडियो में कहा, युवाओं समय आ गया है कि आप सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कदम मिलाकर चलें। प्रधानमंत्री मोदी, विकसित भारत के लिए

खासकर एथलैटिक्स में हमें मेडल मिल रहे हैं। यह लगभग वर्ल्ड-क्लास परफॉर्मंस जैसा है; तभी हमें कॉमनवेल्थ गेम्स का मेडल मिल पाएगा। हमने लॉन्ग जंप में एक मेडल जीता है, हार्ड जंप में एक, और 10,000 मीटर में भी एक; पैरा 100 मीटर और पैरा शॉर्ट पुट में गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल भी मिले हैं। सभी को एक साथ दौड़ते और मेडल जीतते हुए देखना अच्छा लगता है- एक टीम, एक टीम इंडिया। उन्होंने दूसरे खेलों में मिले योगदान को भी मानते हुए कहा कि भारत की कामयाबी सिर्फ कुछ ही इवेंट्स तक सीमित नहीं रहे। पीटी उषा ने कहा, हमें न सिर्फ कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 का आयोजन करना है, बल्कि बहुत सारे मेडल भी जीतने चाहिए। हमें बहुत खुशी है कि इतने सारे मेडल मिल रहे हैं। आठ खिलोड़ी, आठ बॉक्सर, सेमीफाइनल में पहुंचे हैं, और वेटलिफ्टिंग टीम ने बहुत

प के तहत शुरू होगा नशा मुक्त युवा अभियान: मनसुख मांडविया

नशा मुक्त युवा अभियान का शुभारंभ 2 अगस्त को करेंगे। खेल मंत्री ने कहा कि अभियान के तहत एक समय पर 10,000 से ज्यादा स्थानों पर एक करोड़ से ज्यादा युवा पीएम मोदी के साथ मिलकर नशा मुक्त भारत बनाने का संकल्प लेंगे।

मैं आप सभी युवाओं से आग्रह करता हूँ कि आप माय भारत पोर्टल पर जाएं और नशामुक्त

अच्छा प्रदर्शन किया है। और ज्यादातर दीम, यहाँ तक कि तैराकों की भी—भले ही उन्होंने मेडल नहीं जीता, लेकिन मुझे लगता है कि रिले टीम पांचों या छठे स्थान पर रही। यह भी एक बड़ी कामयाबी है। उषा ने भारत के बेहतर प्रदर्शन का श्रेय एथलीट्स को मिलने वाले बेहतर सपोर्ट सिस्टम को देते हुए कहा कि भारत सरकार और आईओए की मिली-जुली कोशिशों से खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर पर तैयार करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, भारत अब बहुत बलवान आए हैं। खासकर सकारा खिलाड़ियों को बहुत अच्छे तरीके से सपोर्ट कर रही है। उन्हें जो भी चाहिए झुंझावात, एकसपोर्ट हो, विदेशी कोच, फिजियो या कोई और मदद—सरकार वह सब मुहैया कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी स्टैकहोल्डर्स ने एथलीट को प्राथमिकता देने का

मः मनसुख मांडविया

इसके तहत देशभर के 10,000 स्थानों पर वकैथान, खेल प्रतियोगिताएँ, नुककड नाटक, ध्यान सत्र और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान में स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, युवा क्लब, स्वयंसेवी संगठन और 125 से अधिक आध्यात्मिक संस्थाएँ भी भाग लेंगी। इस अभियान में एक करोड़ से अधिक युवाओं के शामिल होने का संभावना है।

इस अभियान के माध्यम से देश में गांजा, हेरोइन, अफीम, चरस कोकीन, एमडीएमए (एक्स्टेसी), मेथामफेटामाइन (आउट), नशील गोलियाँ, कोडीन युक्त कफ सिरप और अन्य साइकोट्रॉपिक दवाओं का सेवन और अवैध कारोबार को रोकने की मुहिम राष्ट्रव्यापी स्तर पर चलाया जाएगा।

म की सफलता को प्राथमिकता दे- वापसी के लिए तैयार हूं

सीरीज हैं और ये सभी बाहर खेली

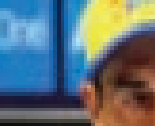
जाएगा। इसलिए मुकबिल कड़ा होगा। उम्मीद है कि हम अपना काम अच्छे से कर पाएँ। 12 अप्रैल के इस मुश्किल कैलेंडर में वर्कलोड मैनेजमेंट का अहम रोल होने वाला है। यही कारण है कि हेजलवुड ने अपने साथी तेज गेंदबाज स्कॉट बोलेर्ड के साथ खेलने की भी इच्छा जताई, जिन्होंने एंशज के दौरान उनकी गैरमौजूदगी में जबर्दस्त प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा, मैं बोलेर्ड के साथ और खेलना चाहूँगा। हम जाहिर तौर पर थोड़े एक जैसे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमारी गेंदबाजी में अभी भी बहुत फर्क है। हर बार जब वह आते हैं, तो उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। जैसे-जैसे उनकी उम्र बढ़ रही है, उनका करियर और बेहतर होता जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, हमें मुझे लगता है कि अगले साल से 18 महीनों में हमारे पास 12 कीफाई मौके हैं। उम्मीद है कि हम साथ में बहुत सारा क्रिकेट खेलेंगे,

यह एक अच्छा मौका होगा हालाँकि, मुझे लगता है कि चार जेम्स गेंदबाजों के तौर पर हमारे पास माइकल नेसर और ब्रेंडन डोंगिट हैं। इसी वजह से मुझे लगता है कि हमें अगले 18 महीनों में किसी समय इन सभी छह पर निर्भर रहना होगा। पिछले कुछ हफ्ते हेजलवुड ने ब्रिस्बेन के रेशनल क्रिकेट सेंटर में वर्कलॉड तक ट्रेनिंग में एक बल्लेबाजों समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। बाद उन्होंने कहा कि उन्होंने रेड-बॉल क्रिकेट की तैयारी बहुत सोच-समझकर की है और उन्हें अप्रैल में इस तैयारी पर पूरा भरोसा है। हेजलवुड ने कहा, 'हमझे लगता है कि यह पहली बार है जब हम बिना कोई महत्व खेले सिधे टेस्ट सीरीज में उतर रहे हैं। पिछले कुछ दिन काफी व्यस्त रहे। ज्यादातर ट्रेनिंग मॉलवार्थ और गुरुवार को हुई, और बीच में कुछ और काम भी थे। पिछले हफ्ते हमने मॉलवार्थ, बुधवार लगाता ट्रेनिंग की। आलेह हवर्ष भी ऐसे ही लगातार दिन होंगे।'

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग इंग्लैंड के टेस्ट कोच बने, जो रूट होंगे कप्तान

लंदन,

इंग्लैंड और वेस्ट इंडीज क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीवन फ्लेमिंग को इंग्लैंड टेस्ट टीम के नए हेड कोच के रूप में नियुक्त किया है। वहीं, जो स्टूअर्ट को टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया है। इंग्लैंड टेस्ट टीम के हेड कोच के रूप में स्टीवन फ्लेमिंग अपने पुराने साथी और न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम की जगह लेंगे। मैकुलम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ ही इंग्लैंड को घरेलू सीरीज में 2-1 से मिली हार के बाद कोच पद से इस्तीफा दे दिया था। फ्लेमिंग पाकिस्तान के खिलाफ अपने वाली टेस्ट सीरीज के बाद अपना कार्यकाल शुरू करेंगे। पाकिस्तान सीरीज के दौरान माक्स वेल्श टेस्ट्स के अंतर्गत हेड कोच की भूमिका निभाएंगे। फ्लेमिंग



इंग्लैंड के दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट दौर के दौरान हेड कोच की भूमिका संभालेंगे। फ्लेमिंग ने अब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग नहीं की है, लेकिन लीग क्रिकेट में बतौर कोच उन्होंने बड़ी सफलता हासिल की है। आईपीएल में वह सीएसके को 5 खिताब जीतवा चुके हैं।

उनकी कोचिंग में सीएसके ने 10 बार आईपीएल का फाइनल खेला। फ्लेमिंग दक्षिण अफ्रीका और यूएसए में भी सीएसके प्रेंचाइज की से जुड़ी टीमों को कोचिंग दी है। इसके अलावा बीबीएल में मेलबर्न स्टार्स और द ह्वेड्स में सदर्न ब्रेव के भी कोच रह चुके हैं। आईपीएल

2026 की समाप्ति के कुछ समय बाद ही फ्लेमिंग से सीएसके और इंडा प्रेंचाइजी से जुड़ी तमाम जिम्मेदारियाँ से खुद को अलग कर लिया था। ईसीबी की तरफ से जारी एक आधिकारिक बयान में फ्लेमिंग ने कहा, मैं टेस्ट क्रिकेट के तौर पर इंग्लैंड से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हूँ। यह वर्ल्ड क्रिकेट में सबसे ज्यादा कौचिंग पोजीशन में से एक है। मुझे इस पर नियुक्त होने पर गर्व है। उन्होंने कहा, टीम में और उसके आस-पास बहुत सारी युवा प्रतिभा हैं। हमारा मकसद उन्हें विश्व-स्तरीय क्रिकेटर के तौर पर अपनी क्षमता को प्रदर्शित करने में मदद करना है। फ्लेमिंग ने रूट के साथ काम करने पर भी अत्यंत खुशी जाहिर की। रूट को उन्होंने पीढ़ी का टैलेंट बताया, साथ ही हैरत-भ्रूंक की भी टीम के लिए एक जल्दी हिस्सा बताया। उन्होंने कहा,

जो तरीका अपनाया है, उससे सफलता के लिए सही माहौल बन रहा है। आईओए अध्यक्ष ने कहा, यह उनके लिए पारदर्शिता (transparency) की मंडिक्कल टीम जैसी बड़ी स्पोर्ट्स टीम मौजूद है। आईओए भी उनके स्पोर्ट्स कर रहा है। आईओए इंसान एथलीट-केन्द्रित बना रहा है इसलिए, खिलाड़ी जो भी चाहते हैं आईओए और सरकार एक साथ मिलकर वह सब दे रहे हैं। इसीलिए ये सब हो रहा है और हमें यहाँ करना चाहिए। सब कुछ मिलकर होना चाहिए झूठा एक टीम और एक टीम चाहिए। पीटी उपा ने कहा कि ग्लायसो में मिली कामयाबीवर्षों के आगे कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए एक आधार (स्पिंगबोर्ड) के तौर पर इस्तेमाल किया जाना चाहिए। जिनकी मेजबानी भारत 2030 में अहमदाबाद में करना चाहता है उन्होंने कहा, लहममें अब कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 और कॉमनवेल्थ गेम्स के 100 साल पूरे

होने के जश्न की तैयारी करनी चाहिए। लोगों को हमेशा याद रखना चाहिए कि हमें इसे मजेदार बनाना है और यह असल में नहीं पीढ़ी के लिए है। इसलिए हमें इसका फायदा उठाना चाहिए और सिर्फ हिस्सा ही नहीं लेना चाहिए, बल्कि अपने देश के लिए ज्यादा मेडल भी जीतने चाहिए। ग्लासगो में हाल ही में शुरू हुआ अहमदाबाद कॉमनवेल्थ गेम्स एक्सपेरियंस सेंटर के बारे में बात करते हुए, पीटी उषा ने कहा कि यह 2030 इवेंट के लिए भारत की बड़ी दूरदर्शिता की सिर्फ एक झलक थी। उन्होंने कहा, यह सिर्फ एक मॉडल था; असली वाला बिल्कुल अलग होगा। हमने यहाँ पतंग का इट फेस्टिवल भी मनाया अहमदाबाद अपने फेस्टिवल को एक शानदार तरीके से मनाता है, जिस पर गुजरात को हमेशा गर्व रहता। यहाँ भी हमने इसे ग्लासगो में भारतीय समुदाय के साथ मनाया, जो इस टीम का हिस्सा है।

सीडब्ल्यूजी 2026: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गावित-बासिल की ऐतिहासिक 1-2 फिनिश की तारीफ की, श्रीशंकर को भी सराहा



नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भारतीय पैरा-एथलीट्स दल्लिप महाडू गावित और मोहम्मद बासिल मोसिंगनाकाथी को पुरुषों की टी47 100मीटर स्पर्धा में ऐतिहासिक गोल्ड और सिल्वर मेडल जीतने पर बधाई दी। इसी के साथ उन्होंने लगातार दूसरी बार कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाले लॉन्ग-जंपर मुरली श्रीशंकर की भी तारीफ की। गावित ने पुरुषों की टी47 100मीटर स्पर्धा में 10.71 सेकंड के गेम्स रिकॉर्ड समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि बासिल ने 10.83 सेकंड के अपने सीजन के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। इस तरह भारत ने पैरा-एथलीट्स कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में यातवार 1-2 फिनिश हासिल का गोल्ड मेडलस्टिल दल्लिप महाडू गावित की तारीफ करते हुए पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटरपर लिखा, हृदयिली पैराडू गावित का शानदार प्रदर्शन। पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में बेहतरीन ट्राईमिंग के साथ गोल्ड मेडल जीतने, नया गेम्स रिकॉर्ड बनाने और अपना हासीजोन बेस्टेह प्रदर्शन करने पर उन्हें बधाई। उनकी रफार, हृद संकल्प और लगन ने हमारे देश का मान बढ़ाया है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। इसी इवेंट में सिल्वर मेडल हासिल करने वाले मोहम्मद बासिल की तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री ने लिखा, हमोहम्मद बासिल मोसिंगनाकाथी को शानदार सिल्वर मेडल। क्या जबदस्त सिप्रंट और दल्लिप संकल्प का प्रदर्शन रहा। इस सफलता और सीजन के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई। उनकी सफलता उनकी कड़ी मेहनत और फोकस को दर्शाती है। उम्मीद है कि वे भविष्य में नई ऊंचाइयां हासिल करते रहेंगे। प्रधानमंत्री ने भारतीय लॉन्ग-जंपर श्रीशंकर को भी बधाई दी, जिन्होंने पुरुषों की लॉन्ग जंप स्पर्धा में 8.09 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ सिल्वर मेडल जीता। यह सिल्वर मेडल श्रीशंकर का इस स्पर्धा में लगातार दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स मेडल था। उन्होंने 2022 में बर्मिंघम गेम्स में भी 8.08 मीटर की दूरी तय करके सिल्वर मेडल जीता था। पीएम मोदी ने ट्विटरपर लिखा, हृश्रीशंकर ने शानदार सिल्वर मेडल जीता। क्या बेहतरीन प्रदर्शन रहा। मेडल जीतने और वह भी अपनी अब तक की सबसे बेहतरीन खलांगन के साथ, इसके लिए उन्हें बधाई। उनकी सफलता एथलेटिक्स में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए कई युवाओं को प्रेरित करेगी। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इन तीनों खिलाड़ियों की तारीफ की है। उन्होंने दिलीप महाडू गावित और मोहम्मद बासिल मोसिंगनाकाथी की इस उपलब्धि को ह्यभारत के लिए दोहरी जीतह बताया और देश का मान बढ़ाने के लिए दोनों पैरा-एथलीट्स की तारीफ की। एषाह ने पोस्ट किया, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों की पैरा 100मीटर टी47 स्पर्धा में क्रमशः गोल्ड और सिल्वर मेडल जीतकर भारत के लिए गर्व का शानदार पल लाने के लिए दिलीप महाडू गावित और मोहम्मद बासिल मोसिंगनाकाथी को बधाई।

मैं खास तौर पर जो रूट के साथ कप्तान के तौर पर काम करने का इंतजार कर रहा हूँ—एक पीढ़ी का टेस्ट जिसने पहले ही बहुत कुछ हासिल कर लिया है। उसने अभी भी बहुत कुछ आना बाकी है। मैं उन्हें स्पॉट करने के लिए उत्साहित हूँ ताकि वह इस रोल का आनंद ले सकें और उसमें अपने बड़े सैकें, जो उनके पहले कार्यकाल से अलग है, प्लेसिंग में कहा, मैं हैरी ब्रूक के साथ काम करने के लिए भी उत्साहित हूँ। सबसे अच्छे खिलाड़ी कभी भी तैयार नहीं होते हैं, हैरी को उनके उत्साहपूर्ण टेस्ट और उनके नेतृत्व को विकसित करने में मदद करने। इस सफर का एक अहम हिस्सा होगा। कप्तान नियुक्त किए जाने के बाद रूट ने कहा, ह्यूडलैंड को लीजिए। मैं उनका एक और मौका मिलने पर वह सम्मानित महसूस कर रहे हैं। टेस्ट कप्तानी एक मुश्किल लेकिन

बहुत फायदेमंद काम है और पिछले
सहाने ब्रेंडन मैकुलम के साथ फिर
से काम करने का थोड़ा सा अनुभव
लेने के बाद, मैं खिलाड़ियों की इस
अगली पीढ़ी को आगे ले जाने के
लिए उत्साहित हूँ। ह्वे उन्होंने आगे
कहा, स्टीफन के साथ ऐसा करने
का मौका भी एक बहुत प्रेरित करने
वाला है। उन्होंने लंबे समय में
साबित किया है कि वह खेल की
बहुत अच्छी जानकारी रखने वाले
एक असाधारण लीडर हैं। ह्वे इंग्लैंड
मेंस क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर
रॉब की ने टीम की क्षमता को
लगातार सफलता में बदलने के
लिए फ्लेमिंग का समर्थन किया। की
ने कहा, ह्वे स्टीफन फ्लेमिंग क्रिकेट
की सबसे सम्मानित हरितियों में से
एक हैं। हम बहुत खुशकिस्मत हैं
कि उनके जैसा कोई इंग्लैंड मेंस
टेस्ट हड्डे को बचाने का चुनौती
लेने को तैयार है।



दुनिया के सबसे रोमांचक एडवेंचर सीडार प्वाइंट

अमेरिका में ओहियो राज्य के सेंडस्की स्थित लेक ऐली प्रायद्वीप में सीडार प्वाइंट 364 एकड़ में बना विशाल अम्यूजमेंट पार्क है। तरह-तरह की मनोरंजक विशेषताएं लिए यह पार्क वर्ष 1870 में खुला था। यह दुनिया का दूसरा सबसे पुराना अम्यूजमेंट पार्क है। इससे पहला पार्क लेक कंपाउंस है। इसका निर्माण सीडार फेयर इंटरटेनमेंट कंपनी द्वारा किया गया जो इसका संचालन करती है। यही कंपनी इसकी मालिक भी है।

सीडार प्वाइंट को अमेरिका का रोलर कोस्ट भी कहा जाता है क्योंकि यहीं दुनिया के सबसे ज्यादा रोलर कोस्टर और झूले (राइड्स) हैं। इनकी संख्या 72 है जो कि एक विश्व कीर्तिमान है। इसमें 17 रोलर कोस्टर्स भी शामिल हैं जो इसे दुनिया का सबसे ज्यादा रोलर कोस्टर्स वाला तीसरा पार्क बनाता है। चार रोलर कोस्टर्स की ऊंचाई 200 फुट से भी ज्यादा है। मुख्य सीडार प्वाइंट को देखने के लिए एक पूरा दिन चाहिए। यदि यहां मौजूद सभी आकर्षणों को देखना हो तो कम से कम दो

दिन जरूरी हैं। हर साल सीडार पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या करोड़ से भी ऊपर है। सीडार प्वाइंट में दुनिया के कई सबसे ऊंचे और तेज झूले भी हैं जैसे कि टॉप थ्रिल इग्रेस्टर और मिलेनियम फोर्स। इनके बारे में कहा जाता है कि इनसे मिलने वाला अनुभव और कहीं नहीं मिलता। जो लोग रोमांच और एडवेंचर की तलाश में रहते हैं, उनके लिए सीडार प्वाइंट से बेहतर जगह और कोई नहीं। सीडार प्वाइंट को अक्सर दुनिया का सबसे बड़ा अम्यूजमेंट पार्क भी कहा जाता है। वर्ष 2008 में इसे लगातार 11वें वर्ष भी दुनिया का सर्वश्रेष्ठ अम्यूजमेंट पार्क का खिताब दिया गया। हालांकि सीडार प्वाइंट का मुख्य आकर्षण यहां मौजूद रोलर कोस्टर्स का विशाल संकलन है। बावजूद इसके, यहां झूले और अन्य आकर्षण भी कम नहीं हैं जैसे कि किड्डी राइड्स, वाटर राइड, म्यूजिकल शोज, आइस स्केटिंग शो आदि। इस पार्क का एक विशेष आकर्षण ऐरी झील का 1.6 किलोमीटर लंबा शानदार तट है जो यहां शुरू से ही पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है।



खून का प्यासा पिस्सू

पिस्सू बिना पंखवाले छोटे कीट हैं जिनकी औसत लंबाई 2 मिलीमीटर होती है। पिस्सू गरम खूनवाले जीवों में परजीवी के रूप में रहकर उनका खून चूसते हैं। मनुष्यों के अलावा वे चूहों, पक्षियों, सूअरों, कुत्तों तथा अन्य जानवरों पर अपनी कृपा दृष्टि बरसाते हैं। उनके शरीर की रचना इस भूमिका के लिए खास उपयुक्त होती है। मेजबान जीव की खाल अथवा परो के बीच से आने-जाने में सहूलियत के लिए उनका शरीर दोनों बगलों से चपटा होता है, यानी लंबाई और ऊंचाई की तुलना में उनकी चौड़ाई बहुत ही कम होती है। बहादुर से बहादुर आदमी भी मामूली-सा पिस्सू देखकर पसीना-पसीना हो जाएगा क्योंकि प्लेग महामारी इसी तुच्छ कीट की सवारी पर चढ़कर मनुष्यों में तांडव मचाती है। पिस्सू की सैंकड़ों जातियां ज्ञात हैं। ये बिना पंखवाले छोटे कीट हैं जिनकी औसत लंबाई 2 मिलीमीटर होती है। पिस्सू गरम खूनवाले जीवों में परजीवी के रूप में रहकर उनका खून चूसते हैं। मनुष्यों के अलावा वे चूहों, पक्षियों, सूअरों, कुत्तों तथा अन्य जानवरों पर अपनी कृपा दृष्टि बरसाते हैं। उनके शरीर की रचना इस भूमिका के लिए खास उपयुक्त होती है। मेजबान जीव की खाल अथवा परो के बीच से आने-जाने में सहूलियत के लिए उनका शरीर दोनों बगलों से चपटा होता है, यानी लंबाई और ऊंचाई की तुलना में उनकी चौड़ाई बहुत ही कम होती है। इस कारण वे दो बालों के बीच के कम फासले में से भी आसानी से गुजर सकते हैं। उनके शरीर पर बहुत से कांटे होते हैं जो बालों अथवा परो में उलझकर पिस्सू को मेजबान जीव के शरीर से गिरने नहीं देते। उनका चपटा शरीर अत्यंत कठोर होता है जो उन्हें मेजबान जीव द्वारा काटे या खुजलाए जाने से बचाता है। उनका मुंह त्वचा को भेदने और खून चूसने के लिए बना होता है। पिस्सूओं का जीवन-चक्र काफी रोचक होता है। मादा पिस्सू मेजबान जीव के मल-मूत्र या उसकी मांस में इकट्ठी गंदगी में अंडे देती है। ये अंडे दो-चार दिनों में फूट जाते हैं। उनसे निकले डिम्बक अंधे होते हैं। वे मल-मूत्र और गंदगी खाकर बढ़ते हैं। मौका मिलने पर अन्य छोटे कीटों का भी वे शिकार कर लेते हैं। समय आने पर ये डिम्बक रेशम जैसे धागे से एक कोष बुनकर उसमें प्रविष्ट हो जाते हैं। इस निष्क्रिय अवस्था में उनका आगे का विकास होता है। वयस्क कीट कोष से बाहर तभी निकलते हैं जब उन्हें कोई जीवित प्राणी का संकेत मिले। यह संकेत है उस प्राणी के चलने-फिरने से होनेवाले कंपन। इसे सुनते ही पिस्सू झट से कोष से निकल आते हैं और उस अभाग्य प्राणी का खून चूसने लगते हैं। इसी कारण से बहुत दिनों से खाली पड़े मकान में घुसने पर एकाएक पिस्सू निकल आते हैं। आप सोचते होंगे कि खाली मकान में पिस्सू कहाँ से आए। वास्तव में पिस्सू अपने कोषों में आपके ही इंतजार में बैठे थे!

पिस्सूओं की सबसे अधिक वीभत्स पहलू प्लेग जैसी भयंकर महामारियां फैलाने में उनकी भूमिका है। प्लेग महामारी से मनुष्य बड़ी तादाद में मरे हैं। चौदहवीं सदी में यूरोप में प्लेग ने ढाई करोड़ लोगों की जान ली थी। परंतु प्लेग मनुष्य पर आश्रित पिस्सूओं के कारण नहीं फैलता। प्लेग के लिए जिम्मेदार हैं चूहों के पिस्सू। प्लेग बीमारी सबसे पहले चूहों में फैलती है। इस बीमारी से जब चूहे बड़ी संख्या में मर जाते हैं, तब उनके पिस्सूओं को मजबूरन अन्य प्राणियों का खून चूसना पड़ता है। इन अन्य प्राणियों में मनुष्य भी होता है, क्योंकि मनुष्यों के मकानों में चूहे अनिवार्यतः पाए जाते हैं। पिस्सूओं की एक खासियत है कूदने की उनकी अद्भुत क्षमता। दो मिलीमीटर लंबा पिस्सू 35 सेंटीमीटर लंबी और 20 सेंटीमीटर ऊंची कूद लगा सकता है, यानी अपनी लंबाई से 125 गुना दूर अथवा 100 गुना ऊंचा कूद सकता है। इसीलिए प्लेग के समय लोगों को दो फुट ऊंचे पलंग पर सोने की सलाह दी जाती है, ताकि पिस्सू उन तक न पहुंच पाएं। अपनी लंबी-लंबी टांगों और नदारद पंखों की मांसपेशियों की सहायता से पिस्सू यह आश्चर्यजनक कलाबाजी करता है। अधिकांश विकसित देशों में पिस्सूओं का सफाया कम-से-कम घरों में से लगभग पूर्णतः हो गया है।



बर्फ में बर्फ-सा खरगोश

बच्चों, जब हम आर्कटिक की बात करते हैं तो हमारे के जेहन में दूर-दूर तक फैला बर्फ और पेंगुइन, ध्रुवीय भालू और डॉलफिन जैसे पानी और समतल दोनों पर रहनेवाले जीवों के नाम याद आते हैं, पर क्या आपने कभी सोचा है कि माइनस 40 डिग्री की ठंड में कोई प्यारा-सा, छोटा खरगोश भी रह सकता है। चौंक गये न कि बर्फ में खरगोश! आओ, हम तुम्हें बताते हैं खरगोश की ऐसी ही प्रजाति के बारे में, जो आर्कटिक के ध्रुवीय प्रदेश में रहता है। यह ध्रुवीय खरगोश देखने में तो अन्य खरगोशों की तरह ही दिखता है, पर शरीर की बनावट और इसका रहन-सहन इसे विपरीत परिस्थितियों में भी आसानी से जीवित रखता है। ध्रुवीय खरगोश के बाल काफी मोटे और घने होते हैं, जो इसके लिए कंबल का काम करते हैं।

साथ रहने की कला

ध्रुवीय खरगोश बर्फ के अंदर गड़ड़ा खोद कर रहते हैं। सर्दी से बचने के लिए, ये एक-दूसरे से सटकर रहते हैं, जिससे इनका शरीर एक दूसरे को ताप दे सके। इनके कान अन्य खरगोशों की अपेक्षा छोटे होने के कारण बर्फीली हवाओं से ये बच जाते हैं। ऐसे तो ये आपको अकेले मिल जाएंगे, पर आप इन्हें दर्जन या सैकड़ों के झुंड में देख सकते हैं। इनका झुंड कुछ आपके स्कूल की सुबह के प्रार्थना के जैसा ही होता है। एक नर खरगोश एक से अधिक मादाओं के साथ रहता है। मादा खरगोश साल में एक बार लगभग 6-8 बच्चों को जन्म देती है। वसंत ऋतु या गर्मी के शुरुआती दिनों में ये बच्चे देती हैं। सितंबर के महीने तक 2-8 बच्चे बड़े होकर फिर से अगले नस्ल को तैयार करने लायक हो जाते हैं।

क्या खाते हैं ध्रुवीय खरगोश

ध्रुवीय खरगोश ज्यादातर कोपल, पेड़ों के पत्ते, काई और बेर खाते हैं। सर्दियों में जब खाने की कमी होती है, तो ये समुद्री शैवाल, पेड़ की मुलायम छाल और जड़ भी खा जाते हैं। बच्चों यह बड़े अफसोस की बात है कि बहुत ही कम संख्या में पाए जाने वाले इस प्यारे से जीव का शिकार इंसान इसके गोشت के लिए करते हैं। अगर इनका शिकार इसी तरह जारी रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब यह प्यारा जीव विलुप्त हो जाएगा।

पी-50 खिलौने जैसी कार

पील पी50, पुराने जमाने के डिजाइन वाली कार है। इसमें छोटे-छोटे पहिए हैं, एक हेडलाइट, एक दरवाजा और यहां तक कि इसमें खिड़की के शीशे को साफ करने वाला एक वाइपर भी है। यह महज 54 इंच लंबी है। यह पहली सबसे छोटी कार है, जो सड़कों पर दौड़ी। पी50 कार इतनी छोटी है कि अगर इसे पीछे ले जाना हो तो दरवाजा खोलकर बाहर आना पड़ता है और इसे हाथ से खींचकर पीछे कर सकते हैं। इसे कोवेंट्री यूनिवर्सिटी के छात्रों ने मिलकर बनाया। पील पी50 कार और पील ट्राइडेंट कार, बिल्कुल बच्चों के खिलौने की तरह दिखती है। यह भरोसा करना मुश्किल होता है कि यह सड़क पर भी चलती है। ब्रिटेन और अमेरिका में इसे सड़क पर देखा जा सकता है। जब पी50 को पहली बार 1960 के दशक में पेश किया गया था तो तब किसी ने यह नही सोचा था कि कभी यह लोगों के आकर्षण का केंद्र होगी। पी50 कार को दुनिया की कुछ अनेखी कारों में शामिल किया गया है। इसे बनाने वाली पील इंजीनियरिंग लिमिटेड नामक कंपनी ने फाइबर ग्लास की नाव (बोट) और मोटरसाइकिल भी बनाई हैं। कंपनी ने वर्ष 1962 में पहली पील पी50 कार पेश की थी। इसे इसलिए बनाया गया था ताकि एक आदमी खरीदारी बैग को लेकर कहीं भी आसानी से आ-जा सके।

एंटीक सोवियत वाहनों का विशाल संग्रह

जर्मनी की राजधानी बर्लिन में सोवियत दौर में बने पुराने वक्त के वाहनों का अनोखा संग्रह मौजूद है जिन्हें अब एंटीक कारों तथा अन्य प्रकार के वाहनों का दर्जा मिल चुका है। वहां ब्रनर परिवार के पास ऐसे वाहनों का सबसे बड़ा संग्रह है जो चाहता है कि उनके संग्रह को किसी विशिष्ट संग्रहालय में स्थान मिले। उनके संग्रह में छोटी कारों से लेकर सोवियत सेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले बड़े ट्रक भी शामिल हैं। इसमें 75 कारें तथा 90 मोटरसाइकिल भी शामिल हैं। खास बात है कि उनके पास मौजूद सभी एंटीक वाहन चालू हालत में हैं। फिलहाल इन्हें एक पूर्व सोवियत बंकर के प्रांगण में रखा गया है। इस संग्रह की शुरुआत लोथर ब्रनर ने की थी। 1990 में पश्चिम तथा पूर्व जर्मनी के एकीकरण तथा सोवियत संघ के खात्मे के बाद वह इन्हें खरीदने लगे। उनकी मौत के बाद अब उनका परिवार उनके संग्रह की देखभाल कर रहा है। वे चाहते हैं कि इन वाहनों के लिए एक खास संग्रहालय तैयार करवाया जाए जहां लोग इन्हें देख सकें तथा इनका संरक्षण भी सम्भव हो सके।



नीतीश कुमार के आवास के पास दिनदहाड़े फायरिंग

गंगा आरती से लौट रहे दो युवकों को मारी गोली

निरंकर भास्कर

नवप्रदेश/पटना/बख्तियारपुर। बिहार की राजधानी पटना से सटे बख्तियारपुर में बुधवार को बेखौफ बदमाशों ने दिनदहाड़े दो युवकों को गोली मार दी। यह वारदात पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास के सामने वाली सड़क पर और बख्तियारपुर थाना से महज 50 मीटर की दूरी पर हुई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। घायल दोनों युवकों को पहले सीएचसी बख्तियारपुर में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद

राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत ने चारों धाम मिश्रा को साँपी रोहतास जिला संगठन प्रभारी की जिम्मेदारी

पत्रकार हितों की रक्षा, संगठन के विस्तार और निष्पक्ष पत्रकारिता को मिलेगा नया आयाम

नवप्रदेश/दावथ (रोहतास) राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत ने संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए रोहतास जिले के दावथ निवासी रवि राज उर्फ चारों धाम मिश्रा को जिला संगठन प्रभारी, रोहतास के पद पर मनोनीत किया है। इस आशय का प्रमाण-पत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश सिंह द्वारा जारी किया गया है।
निश्चुक्ति 1 जुलाई 2026 से प्रभावी है तथा इसकी वैधता 30 जून 2027 तक निर्धारित की गई है।
राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा जारी प्रमाण-पत्र में विश्वास व्यक्त किया गया है कि रवि राज मिश्रा अपने दायित्वों का ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। साथ ही उनसे पत्रकारों को एक मजबूत मंच प्रदान करने, संगठन का विस्तार करने तथा पत्रकारों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए सक्रिय योगदान देने की अपेक्षा की गई है।

गृह विभाग केआदेश के अनुसार जेल से मुक्त किए गए गिरफ्तार छात्र

नवप्रदेश/बैतिया। नीटयुजी परीक्षा पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किए गए अदोलनकारी छात्रों को जो जेल से मुक्त कर दिया गया बिहार सरकार के गृह विभाग के द्वारा जारी आदेश केआलोक में यह कार्रवाई की गई।
विगत 25 जुलाई को छात्रों के द्वारा प्रदर्शन किया गया, प्रदर्शन के दौरान छात्रों के द्वारा पुलिस पर पथराव किया गया,इसमें पुलिस ने 20आंदोलनकारी छात्रों के खिलाफ नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई, इसमें से 16 युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। गिरफ्तार अदोलनकारीयों को सरकार के निर्णय के बाद जेल से मुक्त कर दिया गया जेल सुपरिंटेंडेंट,संजय कुमार ने स्वाददला को बताया कि इस मामले में जिन अदोलनकारीयों को जेल में लाया गया था,उन्हेंकमूनी प्रक्रिया के तहत मुक्त कर दिया गया है।

दो सूत्री मांगों को लेकर बिहार के सभी शहरी निकायों में अनिश्चितकालीन हड़ताल, सफाई व्यवस्था प्रभावित

नवप्रदेश/चन्दन राजपूत/बैतिया, ऑल इंडिया म्युनिसिपल वर्कर्स एसोसिएशन के आह्वान पर गुरुवार से बिहार के सभी शहरी निकायों में दो सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू हो गई। पटना, गया, बैतिया, दरभंगा सहित राज्य के नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों में हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिला। सुबह छह बजे से ही बड़ी संख्या में सफाई कर्मियों ने निकायों के मुख्य द्वार पर हड़ताल का बैनर लगाकर प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की, जिससे निकायों का कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा।

गुरु पूर्णिमा पर हनुमान मंदिर में श्रद्धा का सीलाब, गुरु विनय बाबा का पूजन कर शिष्यों ने लिया आशीर्वाद

नवप्रदेश/डेहरी-ऑन-सोन (रोहतास)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। एकता चौक सच्ची बाजार स्थित हनुमान मंदिर में आयोजित गुरु पूर्णिमा पूजन उत्सव में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शिष्यों ने अपने गुरु का पूजन-अर्चन कर चरण स्पर्श करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया तथा गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 5:30 बजे शयन आरती एवं श्रृंगार पूजन के साथ हुआ। इसके बाद गुरु देवव्यास पूजन, आदिशक्ति एवं देव पूजन, मंगल कलश यात्रा, भजन-कीर्तन, नैवेद्य अर्पण, गुरु वाणी, संकीर्तन तथा वैदिक परंपरा के अनुसार अर्घनी मंथन कर अग्नि प्रज्वलित की गई। तत्पश्चात वैदिक हवन, आरती, गुरु वंदना, क्षमा प्रार्थना, कुंवारी एवं बटुक पूजन सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुए। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने अपने गुरु विनय कुमार मिश्रा उर्फ विनय बाबा का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। सामूहिक आरती एवं हवन में बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान महाप्रसाद का वितरण भी किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। आचार्य विनय बाबा ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि गुरु और शिष्य के अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक है। गुरु ही मनुष्य को अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं तथा जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं।

बेहतर पुलिसिंग के लिए बड़हरा थानाध्यक्ष चुनमुन कुमारी सम्मानित

नवप्रदेश/बड़हरा (भोजपुर)। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और बेहतर पुलिसिंग के लिए स्वाभिमान भारत मंच ने गुरुवार को बड़हरा थाना परिसर में आयोजित समारोह में थानाध्यक्ष चुनमुन कुमारी को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस दौरान संस्था के प्रदेश अध्यक्ष रामाकांत सिंह, जिलाध्यक्ष राजेश दत्त तिवारी एवं सदस्य संतोष सिंह 'संतू' मौजूद रहे। प्रदेश अध्यक्ष रामाकांत सिंह ने कहा कि पुलिस समाज में शांति, सुरक्षा और कानून का राज कायम रखने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाती है। उन्होंने कहा कि बड़हरा थाना पुलिस के नेतृत्व में क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और सामाजिक सीढ़ाई बनाए रखने की दिशा में सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। संस्था की ओर से यह सम्मान उनके कार्यों के प्रति सम्मान और प्रोत्साहन का प्रतीक है। जिलाध्यक्ष राजेश दत्त तिवारी ने कहा कि पुलिस और सामाजिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय से समाज में विश्वास का माहौल मजबूत होता है। उन्होंने आम लोगों से कानून का पालन करने, पुलिस का सहयोग करने और सामाजिक सीढ़ाई बनाए रखने की अपील की।

नीतीश कुमार के शिलान्यास के ढाई साल बाद भी नहीं बना बाजितपुर पुल

वीरेंद्र कुमार

नवप्रदेश/प्रतिनिधि संझौली, संझौली प्रखंड अंतर्गत बाजितपुर गांव के समीप को नदी में पुल निर्माण के लिए, मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के तहत, 77.28 मीटर लंबा पुल निर्माण के लिए, तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 4 फरवरी 2024 को शिलान्यास

किया था. शिलान्यास के दिन, संवेदक श्रवण एण्ड सन्नी कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पुल निर्माण का कार्य शुरू किया गया. जो दो से तीन दिन के बाद बंद हो जाता गया था. लेकिन ढाई साल बीतने के बाद भी पुल निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया, जो आज तक बंद ही बंद है. शिलान्यास के बाद ढाई साल लोगों में उत्साह थी कि



बख्तियारपुर पहुंचे, जहां स्थानीय

लोगों की मदद से उनका इलाज

15 अगस्त से पहले विशेष सफाई अभियान का निर्देश

वाई 13 के पार्षद ने उठाई आवाजः

खराब सोलर लाइट और अधूरे निर्माण पर तीखी बहस

नवप्रदेश/जगदीशपुर ,भोजपुर

नगर पंचायत कार्यालय सभागार में मुख्य पार्षद संतोष कुमार यादव की अध्यक्षता और कार्यालयिक पदाधिकारी के बोर्ड की बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी 15 अगस्त को लेकर नगर क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

समाधान समारोह-2026 के तहत 21 से 23 अगस्त तक सर्वोच्च न्यायालय में विशेष लोक अदालत का होगा आयोजन

नवप्रदेश/बैतिया। सहभागी न्याय तथा ह्दान्याय की घर-घर तक पहुंच की संकल्पना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रव्यापी स्तर पर मध्यस्थता एवं विवादों के सामंजस्यपूर्ण समाधान के लिए समाधान समारोह-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का शुभारंभ 21 अप्रैल 2026 को किया गया है तथा इसका समापन 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली में आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत के माध्यम से किया जाएगा। इस विशेष लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य सहमति एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित मामलों का त्वरित एवं



मुख्य पार्षद ने सभी इंजेंटोलन स्थलों, सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों और प्रमुख चौराहों पर कचरा निष्पादन, नालियों की सफाई और झाड़ियों की कटाई समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही, स्वच्छता कर्मियों को नियमित रूप से अपने क्षेत्रों में सफाई करने को कहा गया ताकि नगर की स्वच्छ छवि बन सके।

श्रावणी मेले की तैयारियां तेज, कस्तर महादेव मंदिर बिक्रमगंज का प्रशासनिक निरीक्षण

नवप्रदेश/बिक्रमगंज। आगामी श्रावणी मेले के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। गुरुवार को अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) बिक्रमगंज, प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) तथा अंचल अधिकारी (सीओ) ने कस्तर महादेव मंदिर एवं मेला परिसर का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग, यातायात, चिकित्सा सहायता तथा सुरक्षा व्यवस्था का विस्तृत जांचा जा लिया। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रावणी मेले में संभावित श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां

शुरू किया गया।घायलों की पहचान बख्तियारपुर के देदौर गांव निवासी विशाल कुमार और अभिषेक कुमार के रूप में हुई है। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लेगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा हमलावरों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। स्थानीय विधायक अरुण कुमार शाह अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल लिया। उन्होंने

छोड़ा है, वे अलंख निर्माण पूरा करें, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

वाई 13 के पार्षद सुनील कुमार पंडा द्वारा उठाए गए इन सवालों और जनहित से जुड़े मुद्दों के कारण बोर्ड की बैठक में तीखी बहस और गहमगहमी का माहौल बना रहा। जिसमें नया टोला से कोर्टवाली में लेगे लगभग 80 खराब सोलर लाइटों को जल्द बनवाया जाए। वाई-13 के सभी नालों की संपूर्ण सफाई कराई जाए।

श्रावणी मेले की तैयारियां तेज, कस्तर महादेव मंदिर बिक्रमगंज का प्रशासनिक निरीक्षण



समय पर पूरी कर ली जाएं। साथ ही आपदा प्रबंधन एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बीडीओ एवं सीओ को विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर मेला परिसर में श्रद्धालुओं के लिए सभी मूलभूत

सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मेले के दौरान जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल प्रशासन को सूचित करें, ताकि सभी श्रद्धालु सुरक्षित एवं सुगमता के साथ बाबा के दर्शन कर सकें।

90 के दशक में बिहार के अंडरवर्ल्ड की खूनी जंग: बृज बिहारी प्रसाद से लेकर श्रीप्रकाश शुक्ला तक, कैसे बदलता गया गैंगवार का समीकरण

निरंकर भास्कर

नवप्रदेश/पटना। बिहार में 1990 के दशक का दौर राजनीति और अपराध के गठजोड़ के लिए लंबे समय तक चर्चा में रहा। उस समय पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद और शुक्ला गैंग के बीच चर्चस्व की लड़ाई ने कई चर्चित घटनाओं को जन्म दिया। छोटन शुक्ला की हत्या के बाद उसके भाई भुटकुन शुक्ला ने गैंग के भाई संजमान सिंह और 1996 में छोटन की हत्या में आरोपी ओंकार सिंह की मुजफ्फरपुर में हत्या कर दी।कुछ समय बाद 16 जुलाई 1997 को भुटकुन शुक्ला की भी उनके ही बांडीगार्ड दीपक



सिंह ने गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद गैंग की कमान विजय शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला के हाथों में चली गई। इसी दौरान बेगूसराय के अशोक सम्राट, सूरजभान सिंह और अन्य बाहुबलियों के बीच भी खूनी संघर्ष जारी रहा, जिसमें कई लोगों की जान गई।धर, बृज बिहारी प्रसाद राजनीतिक रूप से मजबूत

होते गए और मंत्री बनने के बाद उन्हें कड़ी सुरक्षा मिलने लगी। 1998 के लोकसभा चुनाव में उनकी पत्नी रमा देवी चुनाव मैदान में उतरी। इसी दौरान गाँवदंगज के चर्चित बाहुबली देवेंद्र दुबे की 22 फरवरी 1998 को हत्या कर दी गई, जिससे गैंगवार और तेज हो गया। 13 जून 1998 को पटना में पूर्व मंत्री

समस्तीपुर में छात्रा के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म का मामला दो नामजद समेत चार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज



नवप्रदेश/समस्तीपुर: बिहार के समस्तीपुर जिले के मुसरीधरारी थाना क्षेत्र के एक गांव में नवमी कक्षा की छात्रा के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता के पिता के आवेदन पर दो नामजद और दो अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सभी आरोपी फिलहाल फरार बनाए जा रहे हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा

रही है। परिजनों के अनुसार, मंगलवार शाम करीब छह बजे छात्रा घर से लगभग 50 मीटर दूर बकरी के लिए घास लेने गई थी। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने ग्रामीणों की मदद से

उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान छात्रा गांव के समीप स्थित मक्के के खेत में बेहोशी की हालत में मिली। परिजनों का दावा है कि घटनास्थल से एक चिट्ठी भी बरामद हुई है, जिसमें तीन लोगों

का अंजाम देने का उल्लेख है। हालाँकि, इस दावे की आधिकारिक पुष्टि पुलिस की ओर से नहीं की गई है।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रा को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा। परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल में उपचार शुरू होने में देरी हुई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने मामले की जानकारी मीडिया से साझा नहीं करने की सलाह दी।

आजादी के पहले से ही लोग, बरसात के दोनों में नाव का सहारा लेकर नदी के एक छोर से दूसरे छोर तक आते जाते हैं. और तत्कालीन मुख्यमंत्री नितेश कुमार द्वारा 4 फरवरी 2024 को पुल के लिए, बाजितपुर गांव पहुंचकर ढाई साल पहले शिलान्यास किया था. लेकिन आज तक पुल निर्माण आधार में लटका हुआ है.

एक नजर

10 दिन से लापता युवक बैतिया रेलवे स्टेशन से सकुशल हुआ बरामद

नवप्रदेश/बैतिया। साठी थाना क्षेत्र के बहु बहुअरवा खजुरिया वाई संख्या 6 निवासी, रुदन दास को 19 वर्षीय पुत्र,छोटेला दास जो पिछले 10 दिनों से लापता था,उसे

साठी पुलिस ने सुबह बैतिया रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया युवक के मिलने से उसके परिजनों ने राहत की सांस ली। संवाददाता को मिली जानकारी केअनुसार 25 जुलाई को छोटेलाल अपनी बहन को साठी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़वाने गया था,बहन को ट्रेन में बैठाने के बाद वह घर नहीं लौटा।बहुत खोजबीन,सारं इष्टिम, सगेसंबंधियों के यहां खोजने के बाद परिजनों ने साठी थाने मेंआवेदन देकर उसकी बारामदगी की गुहार लगाई थी।थाना अध्यक्ष,राजन कुमार ने संवाददाता को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि युवक पिछले 10 दिनों से बैतिया रेलवे स्टेशन पर रह रहा है,सूचना मिलने पर पुलिस टीम भेज कर उसे बरामद कर लिया गया, अनुसंधानकर्ता दरोगा, चंद्रशेखर कुमार ने संवाददाता को बताया कि युवक का बयान दर्ज कराने के लिए न्यायालय ले जाया जा रहा है।

युवक केअपहरण के मामले में पुलिस ने नामजदआरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

नवप्रदेश/बैतिया।कालीबाग थाना क्षेत्र के छवनी मोहल्ले से हुए एक युवक के अपहरण के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए एक नामजदआरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।कालीबाग थाना अध्यक्ष,अजय कुमार चौधरी ने संवाददाता को बताया कि इस मामले में नगरथाना के नयाटोला निवासी,जीशान को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया,उन्होंनेआगे कि मामले में फरार अन्यआरोपियों की तलाश जारी है

भव्य कलश यात्रा के साथ निकली शिव परिवार कि झाकी

नवप्रदेश/बैतिया नगर के आईटीआई जयप्रकाश नगर डोल वाग भगवती मंदिर परिसर में स्थापित शिव पार्वती प्राण प्रतिष्ठा महाद्यक्ष भव्य कलश यात्रा मंदिर परिसर से होते हुए सागर पोखरा, लाल बाजार, राजदेवडी होते हुए काली धाम मंदिर में स्थित तालाब से जल भर गया। वहीं इस कलश यात्रा जिहां 1001 कुमारी कन्याएं माथे पर कलश लिए जिस तरफ से गुजरतीं उनके ऊपर नगर वासियों द्वारा पुष्प की वर्षा की गई। साथ ही साथ शिव पार्वती कथा शिव गणों के भेष धारण किए गण सड़कों पर झूमते नजर आए और हर हर महादेव नारों से आकाश गुंजित हो उठा।

सोन नदी में लापता किसान का 24 घंटे बाद भी नहीं मिला सुराग, स्थायी SDRF टीम की मांग तेज

नवप्रदेश/अकबरपुर (रोहतास) रोहतास जिले के नगर पंचायत अकबरपुर निवासी किसान योगेंद्र पासवान का सोन नदी में बहने के 24 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं मिल सका है। जिला प्रशासन द्वारा SDRF टीम की मदद से राहत एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन अब तक सफलता हाथ नहीं लगी है। जानकारी के अनुसार, योगेंद्र पासवान मंगलवार रात सोन नदी में अवानक आए तेज बहाव की चपेट में आकर लापता हो गए थे। बुधवार को चेनारी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत अकबरपुर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य को लेकर जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित किया गया, जिसके बाद SDRF टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर खोजबीन शुरू की।

भरत तिवारी की माँ व रिश्तेदार ने दर्ज कराई दो अलग-अलग प्राथमिकी

नवप्रदेश/शाहपुर। थाना क्षेत्र के बिलौटी गाँव में भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में नया विवाद प्रकाश में आया है। भरत तिवारी के ममेरे भाई सिकरिया गुंव निवासी अंशु कुमार चौबे उर्फ लव चौबे के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। बिलौटी गाँव के लोगों द्वारा ही मारपीट करने से इस मामले में नया मोड़ आ गया है जो जांच का विषय है। भरत तिवारी के परिजनों द्वारा मुख्यमंत्री सम्प्रत चौधरी से मिलने के बाद नया घटनाक्रम शुरू हुआ है। भरत तिवारी की माँ आशा देवी ने भी अपने बयान में इस बात का जिक्र किया है। इस मामले में आशा देवी और अंशु कुमार चौबे उर्फ लव चौबे द्वारा शाहपुर थाना मे दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। आशा देवी ने अपने बयान में लिखा है कि मैं अपने परिवार के साथ कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री से मिलने गई थी। मेरा एक रिश्तेदार, जो इस पूरे केस को देख रहा है, के मोबाइल पर 28/7/26 को सुबह करीब 8:17 बजे एवं 11/7/26 को अलग-अलग मोबाइल से गाली गलौज एवं जान से मारने की नीयत से धमकी दी जा रही है। सोशल मीडिया अकाउंटस पर भी मुझे, मेरी बहू एवं मेरी बेटी का नाम लेकर अश्लील मेसेज, गाली गलौज एवं अभद्र भाषा का प्रयोग किया जा रहा है। गंदे-गंदे शब्दों एवं कितने में बिक गईं हो जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है। आशा देवी ने अपने बयान मे अपने ही गाँव के दो लोगों सरोज त्रिपाठी एवं पंकज त्रिपाठी पर पूरे प्रकरण का आरोप लगाया है। उन्होंने अपने बयान में लिखा है कि अगर मेरे परिवार के किसी भी सदस्य या मेरे रिश्तेदार लव कुमार को कुछ भी होता है तो उसकी जिम्मेदारी सरोज त्रिपाठी एवं पंकज त्रिपाठी की होगी। उन्होंने केश के गवाह को भी धमकाया का आरोप लगाया है। वहीं दूसरी प्राथमिकी तीयर थाना क्षेत्र के सिकरिया गाँव निवासी रामाशंकर चौबे के पुत्र अंशु कुमार चौबे उर्फ लव चौबे ने दर्ज कराया है। अंशु कुमार चौबे उर्फ लव चौबे ने अपने बयान मे लिखा है कि मैं अपने बुआ के घर बिलौटी आया था। विगत कुछ दिनों से भरत तिवारी हत्याकांड मे गवाहों को आरा न्यायिक जांच आयोग मे गवाही दिलवाने ले जाता हूँ तथा आरा स्थिल कोर्ट मे गवाही कराने जाता हूँ। 28/7/26 को समय करीब 6:15 पीएम बजे अमरीश कुमार तिवारी तथा उनके पिता उमेश तिवारी उर्फ मास्टर तिवारी ने लोहे की के रौड और मुक्का से जान से मारने की नीयत से मार कर जख्मी कर दिया। इसके पूर्व में भी मोबाइल से देख लेने की धमकी दी गई है। इसके अलावा चार पांच अन्य लोग भी हाथ मे पिस्टल लेकर खड़े थे। विदित हो कि भरत तिवारी एनकाउंटर मामले मे बिलौटी, आसपास के गाँव सहित क्षेत्र के सभी लोग भरत तिवारी के परिजनों के साथ खड़े थे। नरें घटनाक्रम के बाद अप्रप्त विवाद का मामला उभर कर सामने आया है। थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जाँच की जा रही है

राजीव रंजन मलौर पैक्स अध्यक्ष निर्वाचित, शांतिपूर्ण माहौल में मतदान हुआ संपन्न



नवप्रदेश/वरपौखरी, भोजपुर। वरपौखरी प्रखंड के मलौर पैक्स अध्यक्ष पद के लिए बुधवार को शांतिपूर्ण माहौल में मतदान संपन्न हुआ। मतगणना में राजीव रंजन अध्यक्ष निर्वाचित हुए। मलौर गांव स्थित आदर्श मवि मलौर में बनाये गए चार मतदान केंद्री पर कुल 2410 मतदाताओं में से 976 मतदाताओं ने अपने मतदान किया। मतगणना में राजीव रंजन को 616 मत,मुकेश कुमार सिंह को 210 और हरेंद्र कुमार को 88 मत मिले। जिसके बाद राजीव रंजन ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 406 मतों के अंतर से हराया। मतगणना के दौरान प्रखंड निवासी पदाधिकारी कुमार विमलदीर्य,वरपौखरी सीओ प्रिस प्रकाश,श्रम प्रत्यंत पदाधिकारी ऋषिका कुमारी,वरपौखरी थानाध्यक्ष रविशंकर कुमार दल बल के साथ मौजूद रहे।

सहरसा याई रीमॉडलिंग की रपतार बढ़ाने पहुंचे CAO, सहरसा-मानसी डबल लाइन पर बड़ा अपडेट



नवप्रदेश/सहरसा। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (सीएओ) नॉर्थ कंस्ट्रक्शन शैलेंद्र प्रसाद गुरुवार को सड़क मार्ग से सहरसा पहुंचे। उन्होंने सहरसा याई रीमॉडलिंग परियोजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इसके बाद रेलवे अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर परियोजना के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। अक्षय कुमार के दौरान समस्तीपुर के डिप्टी डीएच इंजीनियर मंटू सिंह, स्टेशन अधीक्षक जीवन प्रकाश, टीआई सुभाष चंद्र झा सहित रेलवे के कई अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने सीएओ को याई रीमॉडलिंग से संबंधित कार्यों की अवतार स्थिति और प्रगति की विस्तृत जानकारी दी।

संक्षिप्त समाचार

युवा बौद्ध शोध के चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन, आज की पीढ़ी के लिए बुद्ध का मध्यम मार्ग थीम पर हुई चर्चा नई दिल्ली,

युवा बौद्ध शोध के चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीवाईबीएस) का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) ने केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान (सीआईएचटीएस) के साथ मिलकर सारनाथ में चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन ह्आज की पीढ़ी के लिए बुद्ध का मध्यम मार्ग थीम पर किया। आईबीसी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा जानकारी के अनुसार, दुनिया भर से आए प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए आईबीसी के सेक्रेटरी जनरल शाल्सें खेंसुर जंगचुप चोएडेन रिनपोछे ने वैश्विक संघर्ष और तनाव के बीच शांति और बातचीत के लिए मध्यम मार्ग को एक सही समय का प्रेमवर्क बताया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में प्रधानमंत्री मोदी के उस संदेश को याद किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत ने दुनिया को ह्आबुद्ध दिया है, युद्ध नहीं। मुख्य अतिथि प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी, कुलपति बीएचयू, ने कहा कि मध्यम मार्ग केवल व्यक्तिगत आचरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राजनीतिक विमर्श और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए भी एक सजग प्रयास है। सीआईएचटीएस के कुलपति वेन. प्रो. वांगचुक दोरजी नेगी ने करुणा के लिए गाइड के तौर पर चार आर्य सत्य और आश्रित उत्पत्ति पर बात की। आईबीसी के डीजी राघव प्रसाद भटनागर ने स्कॉलर्स से धम्म सेतु बनने की अपील की यानी बुद्ध के ज्ञान को आगे ले जाने वाला माध्यम। बता दें, युवा बौद्ध विद्वानों के तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) ने डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (डीएआईसी) के सहयोग से, नई दिल्ली स्थित ड-ीएआईसी के नालंदा सभागार में सफलतापूर्वक किया थातीसरे सम्मेलन का विषय था, 21वीं सदी में बुद्ध धम्म में ज्ञान का संचरण। इस वार्षिक सम्मेलन में रूस, वियतनाम, कंबोडिया, श्रीलंका, म्यांमार, ताइवान और भारत सहित कई देशों के युवा विद्वान, प्रोफेसर, भिक्षु और गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए थे।

पीएम मोदी के दौरे से भारत-न्यूजीलैंड के द्विपक्षीय संबंध नए चरण में पहुंचे नई दिल्ली,

न्यूजीलैंड इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स (एनजेडआ-ईआईए) की तरफ से प्रकाशित एक लेख के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा के बाद भारत और न्यूजीलैंड के संबंध एक नए दौर में प्रवेश कर गए हैं। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 20 साल में देश की पहली यात्रा थी। आर्टिकल में बताया गया है कि दो दिन के दौरे के दौरान पीएम मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री कि-स्टोफर लक्सन ने दोनों देशों के बीच संबंधों को पूरी रणनीतिक स-झेदारी में अपग्रेड किया। इसे चार साल के ह्आरोडमैप टू 2030 का समर्थन मिला, जिसमें रक्षा, व्यापार, समुद्री सुरक्षा, कृषि, पर्यटन, खेल, संस्कृति और विज्ञान शामिल हैं। न्यूजीलैंड की लॉन्ग-टर्म रणनीति में भारत को अहमियत मिली है। भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था में से एक है और 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान है। भारत की जीडीपी लगभग 7 ट्रिलियन डॉलर (12 ट्रिलियन न्यूजीलैंड डॉलर) होने का अनुमान है। आर्टिकल में कहा गया है कि भारत का मिडिल क्लास 700 मिलियन से ज्यादा होने की उम्मीद है, जिससे यह दुनिया के सबसे बड़े कंज्यूमर मार्केट में से एक बन जाएगा। ऑकलैंड दौरे पर पीएम मोदी और उनके न्यूजीलैंड के समकक्ष क्रिस्टोफर लक्सन ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके 7 बिलियन न्यूजीलैंड डॉलर (लगभग 4.2 बिलियन डॉलर) करने का एक फॉर्मल टारगेट रखा। आर्टिकल में बताया गया है कि पीएम मोदी के दौरे से 18 नतीजे निकले, जिनमें 10 समझौते और ज्ञापन समझौता शामिल हैं, जो व्यापार से कहीं आगे हैं। इसका मेन पॉइंट, ह्आरोडमैप टू 2030६, रक्षा, व्यापार, समुद्री सुरक्षा, पर्यटन, कृषि, खेल, साईटिफिक रिसर्च, लोगों के बीच बातचीत और मल्टीलेटरल एंजेजमेंट में सहयोग के लिए चार साल का प्रेमवर्क तय करता है। एजेंडा में रक्षा और समुद्री सुरक्षा पर खास ध्यान दिया गया। भारत और न्यूजीलैंड ने एक म्यूचुअल लॉजिस्टिक्स सपोर्ट ऑरेंजमेंट किया, जिससे भारतीय नौसेना और न्यूजीलैंड रक्षा बलों को डिप्लॉयमेंट के दौरान रिफ्यूजिंग, रोप्लेनिशमेंट और मेंटेनेंस के लिए एक-दूसरे की फैसिलिटीज का इस्तेमाल करने में मदद मिलेगी। दोनों देशों ने हिंद-प्रशांत में बातचीत, ऑपरेशनल कोऑर्डिनेशन और जानकारी शेयर करने को मजबूत करने के लिए समुद्री सहयोग पर एक एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए।

पूर्वी अफगानिस्तान में पुलिस ने बरामद किया हथियारों का जखीरा, 2 गिरफ्तार



काबुल,

अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत लगमान में बुधवार को पुलिस ने गैर-कानूनी रूप से हथियार रखने के आरोप में दो लोगों को हिरासत में लिया और उनके पास से हथियार व गोला-बारूद जब्त किया। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मोहम्मद यूनूस यूसुफजई ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने यूसुफजई के हवाले से बताया कि दोनों लोगों को दौलत शाह जिले से गिरफ्तार किया गया और उनके पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए, जिनमें पांच कलाशिनकोव असांठ राइफल, तीन हैंड ग्रेनेड और सैकड़ों गोलियां व प्रोजेक्टाइल शामिल थे उन्होंने कहा कि पुलिस किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने और इलाके में बिना इजाजत हथियार रखने या ले जाने की अनुमति नहीं देती। इससे कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती है। जून में भी ऐसी ही कुछ बरामदगी हुई थी। अफगान सुरक्षा बलों ने पूर्वी पक्तिया प्रांत में हथियारों और गोला-बारूद का एक जखीरा जब्त किया था। प्रांतीय पुलिस कार्यालय ने यह जानकारी दी। पुलिस के बयान के अनुसार, य हथियार और गोला-बारूद पाकिस्तान से सटे सीमावर्ती जिले डंड पाटन के नारी झ्वारा इलाके में एक सुरक्षा अभियान के दौरान बरामद किए गए बयान में कहा गया कि इसमें आठ कलाशिनकोव राइफल, 12 पिस्तौल, 20 कलाशिनकोव बैरल, तीन एम4 राइफल बैरल और पिस्तौल की एक हजार गोलियां शामिल थीं अधिकारियों ने बताया कि इन हथियारों और गोला-बारूद की अफगानिस्तान में तस्करी की जा रही थीं।

संयुक्त अभ्यास के दौरान यूएस ड्रोन सीमा क्षेत्र में घुसा, दक्षिण कोरिया ने खाली कराए कई इलाके

सोल,

दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच कोरियाई प्रायद्वीप में संयुक्त सैन्य अभ्यास चल रहा है। गुरुवार को अमेरिकी मिलिट्री ड्रोन ने सीमा क्षेत्र को पार कर लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एहतियातन पास के इलाकों को खाली कराया गया और वहां के निवासियों को कहीं और शिफ्ट किया गया। दोनों पक्षों के सैन्य अधिकारियों के अनुसार, उत्तर कोरिया की सीमा से सटे उत्तरी ग्योंगंगी प्रांत में एक जनरल आउटपोस्ट के दक्षिण में यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) का पता चला था। बाद में इसकी पहचान यहां तैनात यूएस मरीन कॉर्प्स के एक मिलिट्री ड्रोन के रूप में की गई। दक्षिण कोरिया के जॉ-इंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस)

के एक अधिकारी ने पत्रकारों को बताया, आगे की जांच-पड़ताल के बाद, इस यूएवी की पहचान ट्रेनिंग में शामिल यूएस मिलिट्री ड्रोन के रूप में की गई। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जेसीएस अधिकारी ने कहा कि इस्-के बाद तय प्रोटोकॉल के अनुसार ऑपरेशनल कदम उठाए गए। यूएस फोर्सेज कोरिया (यूएसएफके) ने भी पुष्टि की कि यह उनका ही ड्रोन था और कहा कि वे स्थिति का आकलन करने के लिए दक्षिण कोरियाई अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। यूएसएफ के ने दक्षिण कोरिया का आधिकारिक नाम लेते हुए कहा, ह्वाह घटना यूएस मरीन और रिपब्लिक ऑफ कोरिया मरीन कॉर्प्स के फस्ट मरीन डिवीजन के बीच द्विपक्षीय प्रशिक्षण के दौरान हुई



उन्होंने आगे कहा,यूएस मरीन कॉर्प्स के कर्मी घटना से जुड़ी परिस्थितियों का आकलन कर रहे हैं और रिपब्लिक ऑफ कोरिया मरीन कॉर्प्स के हमारे सहयोगियों और संबंधित स्थानीय अधिकारियों के

साथ संपर्क साधे हुए हैं। इससे पहले दिन में, सोल से लगभग 70 किलोमीटर उत्तर में, उत्तर-दक्षिण कोरियाई सीमा के साथ बफर जोन के पास चेओरवोन में एक अलर्ट जारी किया गया था, जिसमें इलाके

के निवासियों को सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह दी गई थी क्योंकि ड्रोन की उड़ान का पता चला था। दक्षिण कोरियाई सेना ने सबसे पहले अपने निगरानी उपकरणों के माध्यम से ड्रोन का पता लगाया, लेकिन जाहिर तौर पर वे तुरंत यह पता नहीं लगा पाए कि क्या ड्रोन उत्तर कोरिया से आया हो सकता है। ड्रोन की उड़ान के तरीके को देखते हुए, हो सकता है कि इसकी नियोजित उड़ान की जानकारी क्षेत्र में दक्षिण कोरियाई सैन्य इकाइयों के साथ स-झा न की गई हो, या ड्रोन अपने निर्धारित रास्ते से भटक गया हो। जेसीएस अधिकारी ने और विवरण देने से इनकार कर दिया, जैसे कि क्या ड्रोन ने उत्तर कोरिया के साथ 2018 के अंतर-कोरियाई सैन्य समझौते (जो अब निलंबित है) के तहत बनाए गए नो-फ्लाई

जोन के ऊपर उड़ान भारी थी। यह नो-फ्लाई जोन पूर्व उदारवादी राष्ट्रपति मून जे-इन के प्रशासन के तहत स्थापित किया गया था ताकि प्योंगयांग के साथ तनावपूर्ण और भारी सुरक्षा वाली सीमा पर अनजाने में होने वाले सैन्य टकराव को रोका जा सके। यह समझौता पूर्वी इलाकों में दोनों पड़ोसी देशों को अलग करने वाले डीमिलिटराइज्ड जोन (सैन्य-मुक्त क्षेत्र) के 15 किलोमीटर और पश्चिमी इलाकों में 10 किलोमीटर के दायरे में विमानों और ड्रोन को उड़ाने पर रोक लगाता है। लेकिन दोनों कोरिया के बीच बिगड़ते रिश्तों के कारण इस समझौते को रोक दिया गया था। सेना ने पहले कहा था कि वह अमेरिकी ड्रोन की उड़ान के बारे में और जानकारी जुटा रही है।

इंग्लैंड में हीट वेव के कारण मृतकों का आंकड़ा बढ़ा

लंदन,

यूरोप जुलाई महीने में भी गर्मी से झुलस रहा है। इंग्लैंड में इस वर्ष मई और जून के दौरान पड़ी भीषण गर्मी (हीटवेव) से होने वाली अतिरिक्त मौतों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई है। ब्रिटेन की यूके हेल्थ सिक्वैरिटी एजेंसी (यूकेएचएसए) की एक अंतरिम रिपोर्ट के अनुसार, इस साल अब तक हीटवेव से जुड़ी अनुमानित 2,877 अतिरिक्त मौत दर्ज की गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 24 से 27 मई के बीच आई हीट-वेव के दौरान लगभग 753 अतिरिक्त मौतें हुईं, जबकि 21 से 28 जून के बीच पड़ी दूसरी भीषण गर्मी में 2,124 लोगों की मौत का अनुमान है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष जून से अगस्त 2025 के दौरान दर्ज हीटवेव से जुड़ी मौतों की तुलना में लगभग दोगुना है। यूकेएचएसए ने कहा कि हालांकि ये आंकड़े अभी अंतरिम हैं, लेकिन वे पहले ही



2022 में दर्ज वार्षिक रिकॉर्ड के करीब पहुंच चुके हैं, जो अब तक का सबसे खराब वर्ष माना जाता है। विशेषज्ञों ने बढ़ती गर्मी को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तत्काल कमी लाने और लोगों को जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न अत्यधिक गर्मी के प्रभाव से बचाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। रिपोर्ट के अनुसार, जून में पड़ी भीषण गर्मी के दौरान यूकेएचएसए और मौसम विज्ञान विभाग ने लगातार तीन दिनों तक

रेड अलर्ट जारी किया था। यह चेतावनी जीवन के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती है। एजेंसियों ने कहा कि अत्यधिक तापमान और उमस के कारण बुजुर्ग, छोटे बच्चे और पहले से किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित लोग सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं। इससे पहले, फ्रांस ने जून महीने में अतिरिक्त लोगों की मौत का एक भयावह आंकड़ा जारी किया था। बताया था कि भीषण गर्मी से करीब 1,000 अतिरिक्त लोगों की मौत हुई। 3 जुलाई को फ्रांस की

कुवैत में चीनी कंपनी पर ईरान का हमला, एक की मौत

कुवैत सिटी,

ईरान के मिसाइल हमले में कुवैत स्थित एक चीनी कंपनी की इमारत निशाना बनी है। कुवैत की सेना के मुताबिक, हमले में एक कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि इमारत को भारी नुकसान पहुंचा है कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को इसे लेकर एक बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि ईरान के एक हमले में देश के उत्तरी हिस्से में स्थित एक चीनी कंपनी को इमारत को निशाना बनाया गया, जिसमें एक कर्मचारी की मौत हो गई। रक्षा मंत्रालय के मेजर जनरल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने बताया कि हमले से इमारत को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों ने घटना से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। अल-



ओतैबी ने कहा कि कुवैती सशस्त्र बल अपने मिशनों और कर्तव्यों का उच्च दक्षता के साथ निर्वहन जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा, देश की संप्रभुता की रक्षा, सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। साथ ही, संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर नागरिकों और देश में रहने वाले लोगों की सुरक्षा

सुनिश्चित की जा रही है। वहां, मिस्र के दमियाता पोर्ट में लगी आग से भी भारी नुकसान की खबर है। पोर्ट पर बुधवार रात हुए हमले में दो जहाजों में आग लग गई थी। सरकार ने गुरुवार को बताया कि श-रूआती जांच में पता चला है कि आग लगने की वजह ड्रोन अटैक रहा। इस हमले के पीछे ईरान का हाथ माना जा रहा है। न्यूयॉर्क

टाइम्स ने दो ईरानी सूत्रों के हवाले से बताया कि इस हमले का मकसद यह दिखाना था कि अमर ईरान संघर्ष को और बढ़ाता है, तो दुनिया की समुद्री शिपिंग और ऊर्जा आपूर्ति पर इसका बड़ा असर पड़ सकता है। इस बीच, गुरुवार तड़के अर्मे-रका ने ईरान के दस से ज्यादा शहरों में भारी बमबारी की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार, उनके निशाने पर इस्लामिक रिवालयुशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के दर्जनों ठिकाने थे। इन हमलों के बाद से दोनों देशों की बीच टकराव और बढ़ गया है। अमेरिकी हवाई हमलों के बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई का एलान किया है। फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, आईआरजीसी ने कहा, ऊपर वाले की मदद से आज हमलावर को सजा दी जाएगी।

पाकिस्तान की कोर्ट ने ईसाई लड़की को अगवा करने वाले को दी उसकी कस्टडी: रिपोर्ट

इस्लामाबाद,

एक चौकाने वाली घटना में, पाकिस्तान की एक अदालत ने 13 साल की ईसाई लड़की की कस्ट-डी उस मुस्लिम व्यक्ति को सौंप दी है, जिस पर उसे अगवा करने, जबरदस्ती धर्म परिवर्तन कराने और शादी करने का आरोप है।मून राइट एक्टिविस्ट के हवाले से यह जानकारी दी गई है। वॉयस फॉर जस्टिस संगठन के चेयरमैन जोसेफ जॉनसेन ने कहा, यह फैसला तब सुनाया गया जब लड़की की उम्र का पता लगाने के लिए अदालत के आदेश से मेडिकल टेस्ट होना अभी बाकी था। जॉनसेन ने बताया कि फैसलाबाद के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज राणा सोहेल ने नाबालिग अंबर नदीम का हलफनामा स्वीकार कर लिया। इसमें उसने कहा कि उसने अपनी मां अंबर आरोपी के रिश्तेदारों और वकीलों के साथ कोर्टरूम से चली गई, जबकि उसके गरीब



अगवा नहीं किया गया था। क्रिश्चियन डेली इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक, नाबालिग लड़की का बयान दर्ज होने के बाद जज ने लियाकत को गिरफ्तारी के बाद जमानत दे दी। क्रिश्चियन डेली इंटरनेशनल ने जॉनसेन के हवाले से कहा, वह (लियाकत) 26 जून से न्यायिक हिरासत में था। इसके बाद अंबर आरोपी के रिश्तेदारों और वकीलों के साथ कोर्टरूम से चली गई, जबकि उसके गरीब

माता-पिता इस गंभीर अन्याय को देखकर रोते हुए खड़े रहे। उन्होंने आगे बताया कि 27 जून को अंबर एक ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के सामने पेश हुईं और कहा कि आरोपी के परिवार के सदस्यों ने उस पर दबाव डाला था कि वह झूठ बोले कि वह बालिग है। इसके बाद, आरोपी ने धर्म परिवर्तन और शादी का सर्टिफिकेट पेश किया, जिसमें अंबर की जन्मतथि जून 2008 बताई गई थी, जबकि उस्-

के माता-पिता की शादी 2012 में हुई थी। इससे दस्तावेजों की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगे। जानसेन ने कहा, इन बड़ी विसंगतियों को देखते हुए, मजिस्ट्रेट ने अंबर की उम्र का पता लगाने के लिए मेडिकल जांच का आदेश दिया और निर्देश दिया कि आगे की कार्यवाही तक उसे सरकारी शेल्टर होम में रखा जाए। क्रिश्चियन डेली इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, कार्यकर्ता ने मेडिकल जांच होने से पहले ही लड़की की कस्टडी आरोपी को सौंपने और लियाकत को जमानत देने के सेशंस कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाए। इससे पहले इस महीने, यूरोपीय संसद ने एक प्रस्ताव पारित किया था जिसमें पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की नाबालिग लड़कियों के अपहरण, जबरदस्ती धर्म परिवर्तन और बाल विवाह की निंदा की गई थी, साथ ही इस तरह के दुर्व्यवहार के व्यापक पैटर्न पर चिंता जताई गई थी। यूरोपीय संसद के अनुसार, इस

प्रस्ताव में खास तौर पर मारिया शाहबाज का मामला उठाया गया। मारिया पाकिस्तान की 13 साल की ईसाई लड़की है, जिसे मार्च 2026 में अगवा कर लिया गया था, उस्-का धर्म परिवर्तन कराया गया और अपहरण करने वाले व्यक्ति से जबरन उसकी शादी करा दी गई। यूरोपीय संसद के सदस्यों (एमईपी) ने इस बात पर जोर दिया कि उसे कानूनी मदद, परिवार से मिलने की सुविधा और मनोवैज्ञानिक सहायता मिलनी चाहिए। 2025 के संयुक्त राष्ट्र (यूपन) के आंकड़ों का हवाला देते हुए, प्रस्ताव में कहा गया कि पाकिस्तान में शादी के जरिए जबरन धर्म परिवर्तन का ि-कार होने वाली महिलाओं और लड़कियों में से लगभग 75 प्रतिशत हिंदू और 25 प्रतिशत ईसाई थीं। यूरोपीय संसद ने कहा, एमईपी की मांग है कि उसे कानूनी मदद, परि-वार से मिलने की सुविधा और मनोवैज्ञानिक सहायता मिले। वे धार्मिक अल्पसंख्यकों की कम उम्र

की लड़कियों के साथ होने वाले ऐसे अत्याचारों की निंदा करते हैं और इस बात पर जोर देते हैं कि उसका मामला पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों द्वारा झेले जा रहे मानवाधिकारों के व्यापक उल्लंघन का एक उदाहरण है; 2025 में यूपन के आंकड़ों के अनुसार, शादी के जरिए जबरन धर्म परिवर्तन का ि-कार होने वाली महिलाओं और लड़कियों में से लगभग 75 प्रतिशत हिंदू और 25 प्रतिशत ईसाई थीं। संसद ने आगे कहा, संसद पाकिस्तान के अधिकारियों से आग्रह करती है कि वे बाल विवाह को खत्म करने के लिए देश के राष्ट्रीय ढांचे को पूरी तरह से लागू करें, जैसा कि देश के कुछ प्रांतों में पहले से ही हो रहा है, और अल्पसंख्यकों की अगवा की गई या जबरन धर्म परिवर्तन का शिकार बनी लड़कियों के परिवारों की ि-कायतों को सुनने के लिए एक राष्ट्रीय कानून या तंत्र का निर्माण करें।